■ वैशाख शुक्ल - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 269 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 29-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'लोग टी20 क्रिकेट में साझेदारियों का महत्व भूल रहे हैं'

6 अक्षय तृतीया : जीवन को समृद्ध और सार्थक बनाने का पर्व

7 केजीएफ में 'शोपीस' बनने से कोई गुरेज नहीं, ये फिल्म मेरा सपना थी : श्रीनिधि शेट्टी

फर्स्ट टेक

24 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 28.50 लाख रुपए के इनामी 14 नक्सलियों समेत कुल 24 नक्सलियों ने सोमवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 11 महिला नक्सली शामिल हैं। नक्सलियों ने ऐसे समय में आत्मसमर्पण किया है, जब 21 अप्रैल से तेलंगाना की सीमा से लगी बीजापुर की पहाड़ियों पर लगभग 24,000 सुरक्षाकर्मियों की मदद से एक बड़ा नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से भैरमगढ़ एरिया कमेटी सदस्य सुदरू हेमला उर्फ राजेश (33) और परतापुर एरिया कमेटी सदस्य कमली मोड़ियम पर पांच-पांच लाख रुपए, जबकि जयमोती पूनेम (24) पर तीन लाख रुपए का इनाम था।

रूस ने 8-10 मई को यूक्रेन में युद्ध विराम की घोषणा की

कीव/एपी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कार्यालय 'क्रेमलिन' ने यूक्रेन में 8 से 10 मई तक पूर्ण युद्धविराम की सोमवार को घोषणा की। रूस ने द्वितीय विश्वयुद्ध में नाजी जर्मनी पर जीत के अवसर पर आयोजित 'विजय दिवस' के उपलक्ष्य में यह घोषणा की है। यह युद्धविराम आठ मई की मध्यरात्रि से शुरू होगा और 10 मई तक चलेगा। क्रेमलिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 9 मई को विजय दिवस के लिए मानवीय आधार पर शत्रुतापूर्ण कार्रवाई को पूरी तरह से रोकने का आदेश दिया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन में शांति समझौता कराने के लिए प्रयास तेज कर रहे हैं। पुतिन ने यूक्रेन को पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति रोके जाने और यूक्रेन के लामबंदी प्रयास को छोड़ने तक बिना शर्त पूर्ण युद्ध विराम को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

ईरान के बंदरगाह पर हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 65 हुई

दुबई/एपी। ईरान के एक प्रमुख बंदरगाह पर हुए भीषण विस्फोट में मरने वालों की संख्या सोमवार को बढ़कर 65 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटनास्थल से प्राप्त खबरों से विस्फोट के कारण के बारे में और अधिक सवाल उठे हैं। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बंदर अब्बास के पास शाहिद राजाई बंदरगाह पर हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या की सूचना दी।

29-04-2025 सूर्यास्त 6:23 बजे | 30-04-2025 सूर्योदय 6:48 बजे

BSE	NSE
80,218.37	24,328.50
(+1,005.84)	(+289.15)

सोना	चांदी
101,126 रु.	111,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फ़ितरते पाकिस्तान

दहशत में रहने वाले तो,
दहशतगर्दी ही लायेंगे।
नफ़रत के सौदागर हैं जो,
वे प्यार कहां कर पायेंगे।
काँटों की आदत पड़ी जिन्हें,
ना गुल वे कभी बिछायेंगे।
जिनकी फ़ितरत जूते खाना,
उनको जूते ही भायेंगे।।

राष्ट्रपति ने 71 प्रमुख हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सुजुकी मोटर के पूर्व प्रमुख दिवंगत ओसामु सुजुकी, प्रसिद्ध गायक दिवंगत पंकज उधास, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत सुशील कुमार मोदी और तमिल दैनिक दिनामलार के प्रकाशक, लक्ष्मीपति रामसुब्बायर उन 71 प्रमुख हस्तियों में शामिल थे जिन्हें सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया।

इस साल 25 जनवरी को 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कुल 139 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को देश के नागरिक पुरस्कारों – पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री – के लिए नामित किया गया था।

इनमें से 71 लोगों को सोमवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में राष्ट्रपति भवन के भव्य दरबार हॉल में ये पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि शेष को शीघ्र ही एक अलग समारोह में ये अलंकरण प्रदान किए जाएंगे।

राष्ट्रपति ने तमिल दैनिक दिनामलार के प्रकाशक लक्ष्मीपति रामसुब्बायर को पद्मश्री से सम्मानित किया।

वरिष्ठ अभिनेता एवं निर्देशक शेखर कपूर, क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन, हॉकी खिलाड़ी पी.आर. श्रीजेश, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एआईजी हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डी. नागेश्वर रेड्डी, वायलिन वादक लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम और तेलुगु सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण, जिन्हें बलैया के नाम से भी जाना जाता है, अन्य प्रमुख हस्तियों में शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार पाने वालों में चार – सुजुकी (मरणोपरांत), सुब्रमण्यम, रेड्डी और मलयालम लेखक एवं फिल्म निर्देशक एम.टी. वासुदेवन नायर (मरणोपरांत) को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। कुल 10 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इनमें पंकज उधास (मरणोपरांत), सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत), बालकृष्ण कपूर, पूर्व हॉकी खिलाड़ी श्रीजेश, तमिल अभिनेता एस. अजित कुमार, जाइडस लाइफसाइंसेज के चेयरपर्सन पंकज पटेल और भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर विनोद धाम शामिल हैं, जिन्हें 'पेंटियम के जनक' के रूप में जाना जाता है।

इस अवसर पर 57 प्रमुख हस्तियों को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। इनमें भारतीय स्टेट बैंक की पूर्व अध्यक्ष अरुंधति भट्टाचार्य, उद्योगपति पवन कुमार गोयनका, वन्यजीव शोधकर्ता और मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्ली और कुशल कठपुतली कलाकार भीमाव्वा डोड्डाबलप्पा शिलेक्याथरा शामिल हैं।

26 राफेल(एम) विमानों की खरीद के लिए हुए समझौते पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और फ्रांस ने सोमवार को भारतीय नौसेना के लिए लगभग 64,000 करोड़ रुपए की लागत से राफेल लड़ाकू विमानों के 26 नौसैनिक संस्करण खरीदने के वास्ते एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते में राफेल विमान के ढांचे के लिए उत्पादन सुविधा स्थापित करने के साथ-साथ भारत में विमान के इंजन, सेंसर और हथियारों के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहालिंग सुविधाओं की स्थापना का प्रावधान है। बयान में कहा गया कि इस समझौते से भारत में स्वदेशी हथियारों के एकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में भी मदद मिलेगी।

इन विमानों की आपूर्ति 2030 तक पूरी हो जाएगी, जिसके चालक दल को फ्रांस और भारत में प्रशिक्षण दिया जाएगा। फ्रांस की कंपनी दसॉ एविएशन द्वारा निर्मित, राफेल-मरीन लड़ाकू विमान समुद्री क्षेत्र में पूर्ण रूप से संचालन में सक्षम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) द्वारा खरीद को मंजूरी दिए जाने के तीन सप्ताह बाद इस बड़े सौदे पर मुहर लगी। संदर्भ शर्तों के अनुसार, अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के लगभग पांच वर्ष बाद जेट विमानों की आपूर्ति शुरू होनी होगी।

जुलाई 2023 में रक्षा मंत्रालय ने कई दौर के विचार-विमर्श और मूल्यांकन परीक्षणों के बाद इस बड़े अधिग्रहण के लिए प्रारंभिक मंजूरी दे दी थी। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को राफेल (मरीन) लड़ाकू विमानों के निर्माता दसॉ एविएशन से हथियार प्रणाली और कलपुर्जे सहित संबंधित सहायक उपकरण भी मिलेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राफेल-मरीन और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा संचालित राफेल में समानताएं हैं। उसने एक बयान में कहा, राफेल-मरीन की खरीद से भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना दोनों के लिए विमान प्रशिक्षण और रक्षा सामग्री को अनुकूलित करने के साथ-साथ संयुक्त परिचालन क्षमता में भी काफी वृद्धि होगी। इसमें कहा गया, इन विमानों के शामिल होने से भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोतों की मारक क्षमता में काफी वृद्धि होगी।

सरकार ने 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल को 'ब्लॉक' किया

पहलगाम रिपोर्टिंग पर 'बीबीसी' को भेजा पत्र

नई दिल्ली/भाषा। भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री के साथ-साथ झूठे एवं भ्रामक बयान प्रसारित करने के आरोप में 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल को 'ब्लॉक' कर दिया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह निर्णय जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर गृह मंत्रालय की सिफारिशों के बाद लिया गया। सरकार ने पहलगाम त्रासदी को लेकर अपनी रिपोर्टिंग में आतंकवादियों को ''चरमपंथी'' कहने पर 'बीबीसी' को एक औपचारिक पत्र भी भेजा है। अधिकारियों ने कहा, ''गृह मंत्रालय की सिफारिशों पर भारत सरकार ने भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री, झूठे और भ्रामक बयान तथा गलत सूचना प्रसारित करने के आरोप में कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल पर प्रतिबंध लगा दिया है।'' जिन यूट्यूब चैनल को 'ब्लॉक' किया गया है उनमें, 'डॉन न्यूज', 'इरशाद भट्टी', 'समा टीवी', 'एआरवाई न्यूज', 'बोल न्यूज', 'रफ्तार', 'द पाकिस्तान रेफरेंस', 'जियो न्यूज', 'समा स्पोर्ट्स', 'जीएनएन', 'उजैर क्रिकेट', 'उमर चीमा एक्सक्लूसिव', 'अस्मा शिराजी', 'मुनीब फारूक', 'सुनो न्यूज' और 'राजी नामा' शामिल हैं।

प्रधानमंत्री वय वंदना योजना का दुनिया में मॉडल के रूप में उदाहरण दिया जाएगा: पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को दिल्ली में बुजुर्गों के लिए प्रधानमंत्री वय वंदना स्वास्थ्य सेवा योजना की शुरुआत के अवसर पर कहा कि दुनिया में इसका एक मॉडल के रूप में उदाहरण दिया जाएगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ, पुरी ने लाभार्थियों के बीच वय वंदना कार्ड वितरित किए।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना को रोके रखने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) नीत पिछली सरकार की आलोचना की।

पुरी ने कहा कि 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए

वय वंदना स्वास्थ्य सेवा योजना की जो अहमियत है, उसके लिए यह योजना इतिहास की किताबों में ''स्वर्ण अक्षरों'' में जगह बनाएगी।

उन्नत, औद्योगिक लोकतंत्रों की स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों की समस्याओं का हवाला देते हुए पुरी ने कहा कि ये बीमा प्रीमियम भुगतान की आवश्यकताओं, अस्पतालों की सीमित संख्या और बुजुर्गों के लिए देरी से मिलने वाले परामर्श जैसी समस्याओं से भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ''बुजुर्गों के स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में वय वंदना योजना का दुनिया में एक मॉडल के रूप में उदाहरण दिया जाएगा।''

इस योजना के तहत लाभार्थियों के लिए 47 निजी और 10 सरकारी अस्पताल सूचीबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना की खासियत यह है कि यह पूरी तरह से 'कैशलेस' है।

हम 2028 तक बुलेट ट्रेन में यात्रा कर सकेंगे : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि जापान के सहयोग से बन रही 15 अरब डॉलर की लागत वाली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का काम 2028 तक पूरा हो जाएगा। फडणवीस ने कहा कि राज्य अपने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषकों से 50 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाने पर विचार कर रहा है। इसके लिए चार महीने में घोषणा की जाएगी।

शिवसेना के उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना फडणवीस ने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना को 2022 तक के दो वर्ष के शासन के दौरान नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब काम पूरी तेजी से जारी है। फडणवीस ने कहा, '' 2028 तक हम बुलेट ट्रेन में यात्रा कर सकेंगे।'' उन्होंने स्वीकार किया कि पड़ोसी राज्य गुजरात इस परियोजना के विकास में महाराष्ट्र से आगे है। फडणवीस ने कहा कि 1000 अरब अमेरिकी डॉलर के राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण बहुत महत्वपूर्ण है। 2014-19 के बीच मुख्यमंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान बुनियादी ढांचे के निर्माण में 30 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया गया था और अब महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अधिक धन लगाया जा रहा है।

नए पोप के चुनाव के लिए सम्मेलन सात मई से शुरू होगा

वेटिकन सिटी/एपी। कैथोलिक कार्डिनल्स ने सोमवार को पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए सम्मेलन की शुरुआत की तारीख सात मई तय की तथा गुप्त मतदान को दो दिन के लिए टाल दिया, ताकि वे एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जान सकें और किसी उम्मीदवार पर आम सहमति बना सकें। कार्डिनल्स ने शनिवार को पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के बाद अनौपचारिक बैठक के पहले दिन यह तारीख तय की। अफरा-तफरी में पत्रकारों ने अंदरूनी माहौल और आपसी एकता के बारे में सवाल पूछे। एक इतालवी टेलीविजन कार्यक्रम के एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या वित्त से संबंधित आरोपों में वेटिकन आपराधिक अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए इतालवी कार्डिनल को वोट देने की अनुमति दी जाएगी। यह सम्मेलन पांच मई को ही शुरू हो सकता था, लेकिन कार्डिनल्स ने खुद को अनौपचारिक सत्रों में बोलने के लिए पर्याप्त समय दिया, जिसमें 80 वर्ष से अधिक आयु के कार्डिनल शामिल हैं, जिन्हें सम्मेलन शुरू होने के बाद सिस्टिन चैपल में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वे अगली बार मंगलवार की सुबह मिलेंगे। अर्जेंटीना के कार्डिनल एंजेल सिक्सटो रॉसी (कॉर्डोबा के 66 वर्षीय आर्कबिशप, जिन्हें फ्रांसिस ने 2023 में कार्डिनल बनाया था) ने कहा, एकता की उम्मीद है।

बिलावल को याद रखना चाहिए कि उनकी मां

बेनजीर की हत्या पाकिस्तानी आतंकवादियों ने ही की थी : ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लीमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने खून की नदियां बह जाएंगी वाले बयान के लिए सोमवार को पाकिस्तानी नेता बिलावल भुट्टो-जरदारी की आलोचना की और कहा कि उन्हें यह याद रखना चाहिए कि पाकिस्तानी आतंकवादियों ने ही उनकी मां बेनजीर भुट्टो की हत्या की थी। उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम

आतंकवादी हमले पर दिए गए बयान के लिए पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी को भी जोकर कहा। इस हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी।

हैदराबाद के सांसद ने कहा कि पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की 'ग्रे' (संदिग्ध) सूची में रखा जाना चाहिए और पड़ोसी देश के खिलाफ साइबर हमले होने चाहिए। भारत द्वारा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को निलंबित किए जाने के बाद भुट्टो के बयान पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर ओवैसी ने कहा कि भुट्टो-जरदारी को यह पूछना चाहिए कि उनकी मां की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है।

ओवैसी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, उनकी हत्या उनके ही देश के आतंकवादियों ने की थी। पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की 27 दिसंबर 2007 को रावलपिंडी, पाकिस्तान में हत्या कर दी गई थी।

काजी, शरिया अदालत भारतीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त नहीं : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दोहराया कि 'काजी अदालत', 'दारुल कजा', 'शरिया अदालत' या इसी तरह के किसी भी निकाय को भारतीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त नहीं है और उनके फैसले कानूनी रूप से लागू नहीं होते हैं।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने विश्व लोचन मदन बनाम भारत संघ में 2014 की मिसाल का उल्लेख किया जिसमें यह स्पष्ट किया गया था कि शरीयत अदालतों और फतवों को कोई

कानूनी मंजूरी नहीं है।

न्यायालय एक महिला द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रहा था। याचिका में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा एक पारिवारिक न्यायालय के फैसले की पुष्टि को चुनौती दी गई थी जिसमें उसे भरण-पोषण देने से इनकार किया गया था। पारिवारिक न्यायालय ने अपने निष्कर्षों को आंशिक रूप से, 'काजी कोर्ट' के समक्ष प्रस्तुत किए गए समझौते पर आधारित किया था।

न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने टिप्पणी की , 'काजी की अदालत', 'दारुल कजा' या 'शरिया अदालत' के रूप में पहचाने जाने वाले निकायों का, चाहे उनका लेबल कुछ भी हो, कोई कानूनी दर्जा नहीं है। जैसा कि विश्व लोचन मदन में पहले कहा गया था, उनके द्वारा जारी कोई भी आदेश या निर्देश बाध्यकारी नहीं है न ही इसे बलपूर्वक लागू किया जा सकता है। ऐसे निर्णय केवल तभी प्रासंगिक हो सकते हैं जब पक्षकार स्वेच्छा से उन्हें स्वीकार करें और तब भी केवल तब तक जब तक कि वे किसी मौजूदा कानून का उल्लंघन न करें।'

क्रीमिया को औपचारिक तौर पर रूस को सौंपना स्वीकार नहीं : यूक्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। ट्रंप प्रशासन द्वारा पेश शांति प्रस्ताव में क्रीमिया पर रूस के अधिकार को मान्यता दी गई है। प्रस्ताव के इस अंश से यूक्रेन के अधिकारी स्तब्ध हैं और उनका कहना है कि वे प्रायद्वीप को औपचारिक तौर पर रूस को सौंपना किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार, 2014 में रूस द्वारा अवैध रूप से कब्जा की गई भूमि को छोड़ना राजनीतिक और कानूनी रूप से भी असंभव है।

इसके लिए यूक्रेन के संविधान में बदलाव और राष्ट्रव्यापी मतदान की आवश्यकता होगी तथा इसे देशद्रोह माना जा सकता है। कानून निर्माता और जनता इस विचार का कड़ा विरोध कर रही है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की पार्टी के सांसद अलेक्जेंडर मेरेजखो ने कहा, ''इसका कोई मतलब नहीं है।''

मेरेजखो ने कहा, ''हम क्रीमिया को रूस का हिस्सा कभी नहीं मानेंगे।''

क्षेत्रीय रियायत के विपरीत, औपचारिक आत्मसमर्पण से यूक्रेन हमेशा के लिए क्रीमिया को खो देगा और यह उम्मीद भी नहीं रहेगी कि यूक्रेन भविष्य में इसे फिर से हासिल कर सकता है।

सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अधिकांश आबादी इस तरह के समझौते को स्वीकार करती है।

कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने हाल में 'बीबीसी' को बताया था कि यूक्रेन को शांति समझौते के तहत अस्थायी रूप से भूमि छोड़नी पड़ सकती है।

शुक्रवार को 'टाइम' पत्रिका में प्रकाशित साक्षात्कार में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्रीमिया प्रस्ताव को रेखांकित किया, ''क्रीमिया रूस का हिस्सा रहेगा। जेलेंस्की इसे समझते हैं और हर कोई समझता है कि यह लंबे समय से उनके साथ है।''

रविवार को जब पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि क्या जेलेंस्की क्रीमिया छोड़ने के लिए तैयार हैं, इस पर उन्होंने कहा, ''ओह, मुझे लगता है कि हां। क्रीमिया 12 साल पहले था। वह राष्ट्रपति ओबामा थे जिन्होंने बिना कुछ किए इसे छोड़ दिया था।''

यूक्रेन के अधिकारियों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि उन्हें उम्मीद है कि किसी भी समझौते की स्थिति में रूस द्वारा नियंत्रित क्रीमिया और अन्य यूक्रेनी क्षेत्र उसे (यूक्रेन को) वापस मिलेंगे।

ट्रंप ने जेलेंस्की पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत का विरोध करके युद्ध को लंबा खींचने का भी आरोप लगाया है।

दक्षिणी यूक्रेन में काला सागर के किनारे एक रणनीतिक प्रायद्वीप क्रीमिया पर रूस ने 2022 में शुरू हुए आक्रमण से कई साल पहले कब्जा कर लिया था।

भारत को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश का निर्णायक जवाब दिया जाएगा : चंद्रबाबू नायडू

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि भारत को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश का कड़ा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पिछले हफ्ते की शुरूआत में हुए आतंकी हमले के जवाब में आई है, जिसमें आंध्र प्रदेश के दो व्यक्ति सहित 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। नायडू ने एक निजी कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ''अगर कोई भारत में हस्तक्षेप करता है, तो उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिये जाएंगे। वे कुछ नहीं कर सकते। भले ही वह कोई आतंकवादी संगठन हो, वे इस देश को हिला नहीं सकते।'' मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पहलगाम हमले जैसे बर्बर कृत्य भारत की ताकत के सामने सफल नहीं होंगे। नायडू ने भारतीयों के साहस को रेखांकित करते हुए, सभी से ऐसी चुनौतियों के मद्देनजर एकजुट होने का आग्रह किया और कहा कि राष्ट्र की रक्षा करने की शक्ति इसके लोगों में निहित है। आतंकवाद का मुकाबला करने में केंद्र सरकार के प्रयासों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए मुख्यमंत्री ने 25 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी।

2024 में भारत का सैन्य व्यय पाक से लगभग नौ गुना रहा : सिप्री

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2024 में भारत का सैन्य खर्च पाकिस्तान के मुकाबले लगभग नौ गुना अधिक रहा। स्वीडन के एक प्रमुख विचार मंच द्वारा सोमवार को जारी किए गए एक अध्ययन में यह बात कही गई। यह अध्ययन पहलगाम हमले को लेकर दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है। 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट' (सिप्री) के अनुसार, भारत का सैन्य व्यय 1.6 प्रतिशत बढ़कर 86.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि पाकिस्तान का सैन्य व्यय 10.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

रिपोर्ट में कहा गया कि सैन्य व्यय के मामले में शीर्ष पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत का वैश्विक सैन्य खर्च में 60 प्रतिशत योगदान है तथा इनका संयुक्त व्यय 1,635 अरब अमेरिकी डॉलर है। अध्ययन में कहा गया कि चीन का सैन्य व्यय 7.0 प्रतिशत बढ़कर अनुमानतः 314 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है, जो लगातार तीन दशकों की वृद्धि को दर्शाता है। 'विश्व सैन्य व्यय में चलन 2024' नामक रिपोर्ट में कहा गया कि कम्युनिस्ट देश का एशिया और ओशिनिया में कुल सैन्य खर्च में 50 प्रतिशत का योगदान है, जो अपनी सेना के निरंतर आधुनिकीकरण और साइबर युद्ध क्षमताओं तथा परमाणु शस्त्रागार के विस्तार में निवेश कर रहा है।

सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देना समाज की साझा जिम्मेदारीः जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देना सिर्फ कुछ विभागों का काम नहीं है बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में उन्होंने कहा कि हिंदी के इस्तेमाल को बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन सभी हितधारकों की ओर से निरंतर प्रयास अभी भी जरूरी हैं। मंत्री ने हिंदी को बढ़ावा देने में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों जैसे कुछ क्षेत्रों में योग्य शिक्षकों की कमी और प्रशासनिक बाधाओं पर भी बात की। उन्होंने हितधारकों को औपचारिक बैठकों से आगे बढ़कर नियमित संचार व व्यावहारिक पहल के माध्यम से सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री ने कहा, केवल वास्तविक, दिन-प्रतिदिन की प्रतिबद्धता के माध्यम से ही हम शासन के सभी क्षेत्रों में हिंदी को मुख्यधारा में ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत की नई पीढ़ी, राजनीतिक आख्यानों से परे, हिंदी सीखने के लिए तेजी से उत्सुक हो रही है, जो एक सांस्कृतिक बदलाव का संकेत है।

बाबा केदार की मूर्ति शीतकालीन प्रवास स्थल उखीमठ से केदारनाथ के लिए रवाना

रुद्रप्रयाग/भाषा। बाबा केदार की मूर्ति को रुद्रप्रयाग जिले में स्थित उसके शीतकालीन प्रवास स्थल उखीमठ से सोमवार को फूलों से सजी एक डोली में केदारनाथ मंदिर के लिए रवाना किया गया। केदारनाथ मंदिर के कपाट दो मई को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। हर साल गर्मियों में केदारनाथ के कपाट खुलने से पहले यह रस्म निभाई जाती है। सर्दियों में कपाट बंद होने के बाद बाबा केदार की मूर्ति को उखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर ले जाया जाता है और वहीं उनकी पूजा की जाती है।

सुबह साढ़े 10 बजे भारतीय सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों और बाबा केदार के जयघोष के बीच डोली इस पंचमुखी उत्सव मूर्ति को लेकर केदारपुरी के लिए निकली। मंदिर के पुजारियों, वेदपाठियों और बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने डोली को अपने कंधों पर उठाया। केदारनाथ के लिए विदा करने से पहले पंचमुखी उत्सव मूर्ति को पंच स्नान करवाया गया और डोली में विराजमान कर साज-सज्जा की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उखीमठ स्थित श्री ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचे, जिसे फूलों से सजाया गया था। केदारनाथ की विधायक आशा नौटियाल भी इस मौके पर मौजूद थीं। मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी हरीश गौड़ ने बताया कि गुप्तकाशी, फाटा और गौरीकुंड में रात्रि विश्राम के बाद यह डोली एक मई को केदारनाथ पहुंचेगी। केदारनाथ के कपाट दो मई की सुबह सात बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

'शुल्क को लेकर अन्य देशों की तुलना में भारत अधिक अनुकूल स्थिति में'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न मौजूदा वैश्विक माहौल में भारत के अपने विशाल घरेलू बाजार, बड़े पैमाने के लाभ और नवोन्मेष पर ध्यान केंद्रित करने से प्रतिस्पर्धी बने रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि शुल्क दरों की अन्य देशों से तुलना भी की जाए तो भी भारत अधिक अनुकूल स्थिति में है।

सिंधिया ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा है कि चूंकि अन्य देशों को भी अलग-अलग स्तर के शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए भारत संभवतः पहले की तुलना में कई उत्पादों के मामले में 'अधिक प्रतिस्पर्धी' बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि आकर्षक घरेलू बाजार ने वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनियों को यहां महत्वपूर्ण उपस्थिति स्थापित करने के लिए आकर्षित किया है। सिंधिया ने भारत की आर्थिक वृद्धि की मजबूत गति और विनिर्माण व नवाचार पर देश की नीति का हवाला दिया।

मंत्री ने कहा, '' इसलिए मेरा मानना है कि शुल्क के कारण मौजूदा माहौल के बावजूद भारत प्रतिस्पर्धी बना रहेगा। इसका कारण बड़े पैमाने पर काम होने से हमें मितव्ययिता का लाभ है। इसके साथ नवोन्मेष बड़े बाजारों की जरूरतों को पूरा

करने में हमें सक्षम बनाता है।'' अमेरिकी शुल्क स्थिति पर उनके नजरिये के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि शुल्क के पूरे प्रश्न को तुलनात्मक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। सिंधिया ने कहा, '' यदि आप वह देश हैं जिसके साथ मैं प्रतिस्पर्धा करता था और आप पर लगाए गए शुल्क आज संभवतः मेरे शुल्क से दोगुने हैं। जहां मैं आपके मुकाबले प्रतिस्पर्धी नहीं था, अब मैं प्रतिस्पर्धी हो गया हूं। इसलिए, मुझे लगता है कि इसे केवल भारत-केंद्रित दृष्टिकोण से नहीं बल्कि तुलनात्मक दृष्टिकोण से भी देखना महत्वपूर्ण है।''

मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि अनेक क्षेत्रों में अनेक उत्पादों के लिए शुल्क लागू होने से पहले की तुलना में भारत अधिक प्रतिस्पर्धी बनकर उभरेगा। उन्होंने इसे '' एक महत्वपूर्ण बदलाव '' बताते हुए कहा कि भारत ने बुनियादी ढांचे के दृष्टिकोण के साथ ही एक निर्यातक देश के दृष्टिकोण से भी स्वयं को बदल लिया है। मंत्री ने कहा, '' ...आपको समझना होगा कि एक अर्थव्यवस्था के रूप में हम कहां खड़े हैं...आज भारत का कद बेहद ऊंचा है...हम आज 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। हम आज करीब 4000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है, 2028 तक 5000 डॉलर और 2030 तक 6000 अमेरिकी डॉलर के करीब होंगे।'' सिंधिया ने कहा कि एक ऐसा देश जो अपनी मोबाइल फोन की जरूरत का अधिकतर हिस्सा आयात करता था और सिर्फ पांच करोड़ फोन बनाता था। आज 35 से 40 करोड़ से अधिक मोबाइल फोन बना रहा है। उन्होंने कहा, '' हमारा केवल मोबाइल निर्यात ही 1,75,000 करोड़ रुपए से अधिक है।''

जलवायु परिवर्तन से बढ़ सकती है कर्ज में चूक की आशंकाः राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

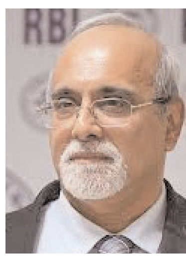

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन से उधारकर्ताओं के लिए परिचालन लागत बढ़ेगी और उनकी संपत्तियों के नुकसान का जोखिम पैदा होगा जिससे कर्ज में चूक करने की आशंका बढ़ जाएगी।

राव ने 'भारत में हरित और टिकाऊ वित्त के लिए एक मजबूत परिवेश का निर्माण' विषय पर अपने संबोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन के जोखिम वित्तीय संस्थानों, वित्तीय प्रणाली और वास्तविक अर्थव्यवस्था को परंपरागत जोखिम श्रेणियों के जरिये प्रभावित करते हैं जिनमें कर्ज से जुड़ा जोखिम अहम है। राव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से फसल के नुकसान, रोजगार की हानि और आजीविका के नुकसान जैसे विभिन्न तरीकों से वास्तविक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है। उन्होंने हरित एवं टिकाऊ वित्तपोषण को बढ़ावा देने की जरूरत और कार्बन कटौती से जुड़े ऋण जोखिमों के विरोधाभास का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस विरोधाभास का प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है, जिसके लिए नियामकों को वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए एक नाजुक संतुलन साधना होगा। केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर ने हरित और टिकाऊ वित्त के लिए संरचनात्मक मुद्दों और उपलब्ध वित्तपोषण की मात्रा से संबंधित चुनौतियों का उल्लेख किया। राव ने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर हरित बदलाव का नेतृत्व करने की क्षमता भी रखता है।

कांग्रेस देश की सुरक्षा के लिए सरकार के कदमों का पूरा समर्थन करती है : मीर

जम्मू/भाषा। कांग्रेस महासचिव गुलाम अहमद मीर ने सोमवार को पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अमानवीय और बर्बर बताया और कहा कि पार्टी देश की सुरक्षा और शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करने के उद्देश्य से सरकार की पहल का समर्थन करती है।

जम्मू कश्मीर में कांग्रेस विधायक दल के नेता मीर ने आतंकवादी हमले के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि भारत इस नृशंस हमले का जवाब देने के लिये एकजुट है।

आप बड़े राजमार्ग बना रहे हैं लेकिन सुविधाओं के अभाव में लोग मर रहे हैंः शीर्ष अदालत ने केंद्र से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सड़क/मोटर वाहन हादसों के शिकार लोगों के लिए नकदीरहित इलाज की योजना तैयार करने में देरी को लेकर केंद्र पर नाराजगी जाहिर करते हुए उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि आप बड़े-बड़े राजमार्गों का निर्माण कर रहे हैं लेकिन सुविधाओं के अभाव में लोग वहां मर रहे हैं।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि आठ जनवरी के आदेश के बावजूद केंद्र ने न तो निर्देश का पालन किया और न ही समय बढ़ाने की मांग की। शीर्ष अदालत ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 164ए एक अप्रैल, 2022 को तीन साल के लिए प्रभाव में लायी गयी थी लेकिन केंद्र ने दावेदारों को अंतरिम राहत देने के लिए योजना बनाकर इसे लागू नहीं किया। पीठ ने सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव से पूछा, ''आप अवमानना कर रहे हैं। आपने समय बढ़ाने की मांग करने की जहमत नहीं उठाई। यह क्या हो रहा है? आप हमें बताएं कि आप योजना कब बनाएंगे? आपको अपने कानूनों की परवाह नहीं है। यह कल्याणकारी प्रावधानों में से एक है। इस प्रावधान को प्रभाव में आये तीन साल हो गए हैं। क्या आप वाकई आम आदमी के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं?''

शीर्ष अदालत ने सचिव से यह भी सवाल किया, '' क्या आप इतने लापरवाह हो सकते हैं? क्या आप इस प्रावधान के प्रति गंभीर नहीं हैं? लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं। आप बड़े-बड़े राजमार्ग बना रहे हैं, लेकिन वहां लोग मर रहे हैं क्योंकि वहां कोई सुविधा नहीं है। 'गोल्डन ऑवर ट्रीटमेंट (हादसे के एक घंटे में इलाज)' की कोई योजना नहीं है। इतने सारे राजमार्ग बनाने का क्या फायदा?'' मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 2 (12-ए) के तहत 'गोल्डन ऑवर' सड़क हादसे में किसी दर्दनाक चोट के बाद एक घंटे की अवधि को संदर्भित करता है, जिसके तहत समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप से मृत्यु को रोका जा सकता है। शीर्ष अदालत ने सचिव को योजना में देरी के कारणों को स्पष्ट करने के लिए तलब किया था। सचिव ने सोमवार को कहा कि एक मसौदा योजना तैयार की गई थी, लेकिन 'जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (जीआईसी)' द्वारा आपत्ति जताए जाने के कारण इसमें बाधा उत्पन्न हो गई। सचिव ने कहा, ''जीआईसी सहयोग नहीं कर रही है। इसने तर्क दिया है कि उसे दुर्घटना में शामिल मोटर वाहन की बीमा पॉलिसी की स्थिति की जांच करने की अनुमति दी जानी चाहिए।''

आग में फाइलें जल गईं, लेकिन डिजिटल रिकॉर्ड से जांच जारी रखने में मदद मिलेगी : ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को कहा कि मुंबई में उसके एक कार्यालय में लगी आग में कुछ दस्तावेज और फर्नीचर जल गया है, लेकिन जांच या सुनवाई में 'कोई बाधा' आने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि फाइलें डिजिटल रूप से भी संग्रहीत हैं।

संघीय एजेंसी ने रविवार को लगभग 2:25 बजे बैलार्ड एस्टेट में कैसर-ए-हिंद इमारत में स्थित मुंबई जोनल ऑफिस-1 की चौथी मंजिल पर लगी आग पर एक बयान जारी किया। एजेंसी ने कहा कि प्रथम दृष्टया आग का कारण चौथी मंजिल पर बिजली के बक्सों में शॉर्ट-सर्किट लग रहा है। एजेंसी ने कहा कि हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन किया जा रहा है, लेकिन प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि आग की घटना में कुछ कागजात/दस्तावेज और फर्नीचर आदि जल गया। उन्होंने कहा कि जांच से संबंधित साक्ष्य दस्तावेज और अन्य दस्तावेज हमेशा डिजिटल रिकॉर्ड के रूप में संग्रहीत किए जाते हैं। इसके साथ ही ये केंद्रीकृत रिकॉर्ड रखने की प्रणाली में भी संग्रहीत किए जाते हैं। बयान में कहा गया है, ''जिन मामलों में अभियोजन पक्ष की शिकायतें दर्ज की गई हैं, उनके मूल रिकॉर्ड संबंधित अदालतों के पास उपलब्ध हैं।'' इसलिए, धन शोधन निरोधक कानून, विदेशी मुद्रा उल्लंघन

और भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत मामलों की जांच करने वाली एजेंसी के अनुसार, जांच या परीक्षण करने में कोई व्यवधान होने की उम्मीद नहीं है। ईडी ने कहा कि कैसर-ए-हिंद भवन के भूतल और पहली मंजिल पर स्थित कार्यालय 'चालू' हैं और आग से प्रभावित चौथी मंजिल पर स्थित कार्यालय का हिस्सा स्थानांतरित कर दिया गया है और अब जन्मभूमि चैंबर्स स्थित पुराने क्षेत्रीय कार्यालय से संचालित हो रहा है ।

जांच एजेंसी ने कहा कि आग को सबसे पहले कार्यालय में तैनात कर्मचारियों और सुरक्षा गार्डों ने देखा, जिन्होंने इमारत में तैनात रात्रि ड्यूटी राज्य पुलिस कर्मियों को सूचित किया।

पुलिस ने करीब 2:30 बजे दमकल विभाग को सूचना दी, जिसने 50 से अधिक कर्मियों और कई दमकल गाड़ियों के साथ करीब 3:30 बजे आग बुझाने का काम शुरू किया।

ईडी ने कहा कि वह मुंबई में अपने लिए 'स्वतंत्र' कार्यालय स्थान स्थापित करने की प्रक्रिया में है, क्योंकि महाराष्ट्र सरकार ने मार्च में एजेंसी को मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में जमीन आवंटित की है।

जांच एजेंसी ने कहा कि जल्द से जल्द स्वतंत्र कार्यालय बनाने के लिए प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद 1,000 से अधिक भारतीय पाकिस्तान से स्वदेश लौटे

लाहौर/भाषा। पिछले छह दिन में 1,000 से अधिक भारतीय वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान से अपने घर लौट चुके हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद वीजा रद्द होने के कारण उन्हें अपनी यात्राएं बीच में ही रोकनी पड़ी थीं।

एक सरकारी अधिकारी ने 'पीटीआई' को बताया, पिछले छह दिन में 1,000 से अधिक भारतीय वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान से अपने घर लौट चुके हैं। इसी तरह, सोमवार तक 800 से अधिक पाकिस्तानी स्वदेश लौट चुके हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के दीर्घकालिक वीजा रखने वालों को स्वदेश लौटने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को 236 पाकिस्तानी स्वदेश लौटे और 115 भारतीय अपने वतन पहुंचे।

वाघा पर पाकिस्तान रेंजर्स और भारत के सीमा सुरक्षा बल ने आव्रजन की अनुमति देने से पहले स्वदेश भेजे गए नागरिकों के कागजात की गहन जांच की। आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को गोलीबारी की थी जिसमें 26 लोग मारे गए, जो 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था। नई दिल्ली में सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने बुधवार को अन्य बातों के अलावा अटारी में एकीकृत चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया। अटारी-वाघा सीमा भारत में अमृतसर और पाकिस्तान में लाहौर के पास स्थित है।

मंत्रालय ने संसदीय समिति को बताया

यमुना का पानी 33 में से 22 स्थानों पर गुणवत्ता परीक्षण में विफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि निगरानी वाले यमुना नदी के 33 स्थानों में से 22 स्थानों पर 2024 में पानी की गुणवत्ता केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मानकों पर खरी नहीं उतरी।

सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय ने संसद की स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुति में कहा कि दिल्ली और उत्तर प्रदेश में क्रमशः सभी सात और 12 स्थान स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता मानदंड पर खरे नहीं उतरे, जबकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सभी चार स्थान इस मानदंड पर खरे उतरे।

इसने कहा कि हरियाणा में यमुना के छह स्थानों में से तीन आवश्यक मानदंडों पर खरे उतरे, जबकि तीन स्थान मानदंड पूरा करने में विफल रहे।

सीपीसीबी का राष्ट्रीय जल निगरानी कार्यक्रम (एनडब्ल्यूएमपी) घुलित ऑक्सीजन (डीओ), जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी), पीएच और 'फेकल कोलीफॉर्म' के मापदंडों के तहत पानी का मूल्यांकन करता है।

समिति के समक्ष अपने प्रस्तुतीकरण में मंत्रालय ने कहा कि फरवरी 2025 के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में उत्पन्न कुल 3,600 एमएलडी जलमल में से 791 एमएलडी (मेगालीटर प्रतिदिन) अशोधित रह जाता है।

मंत्रालय ने कहा कि दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने जनवरी 2023 में यमुना नदी में प्रदूषण को रोकने के वास्ते कार्ययोजना की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था।

उदित राज ने थरूर को बताया 'भाजपा का वकील', लोकसभा सदस्य ने पलटवार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता उदित राज ने पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में पार्टी सांसद शशि थरूर की एक टिप्पणी को लेकर सोमवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि आखिर वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वकील कैसे बन गए।

थरूर ने उन पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा में रहे पूर्व सांसद उदित राज यह बेहतर समझते हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी की तरफ से कौन बोलता है। थरूर ने पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए रविवार को कहा था कि सुरक्षा में कुछ चूक जरूर हुई है, लेकिन

अपनी बेहतरीन खुफिया सेवाओं के लिए विख्यात इजराइल का भी उदाहरण है, जहां दो साल पहले बड़ा हमला हुआ था। उन्होंने यह भी कहा था कि किसी भी देश के पास 100 प्रतिशत पुख्ता खुफिया सेवा (फूलप्रूफ इंटेलिजेंस) नहीं हो सकती। उनकी इस टिप्पणी को लेकर कांग्रेस के प्रकोष्ठ 'असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस' के अध्यक्ष उदित राज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''शशि थरूर ने कहा कि किसी देश के पास 100 प्रतिशत 'फुलप्रूफ इंटेलिजेंस' नहीं है। 26/11 के मुंबई हमले के समय (गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री) नरेन्द्र मोदी जी ने गुजरात से मुंबई पहुंचकर कहा था कि केंद्र सरकार की असफलता है। यह भी कहा था समस्या केंद्र (सरकार) है, सीमा पर नहीं। कैसे आतंकी आए जब खुफिया विभाग, बीएसएफ, सीआरपीएफ केंद्र के पास है। थरूर जी को मोदी जी से यह पूछना चाहिए।'' उदित राज के अनुसार, सत्ता में कांग्रेस नहीं है, फिर भी समय-समय पर भाजपा उसकी आलोचना करती रहती है। पूर्व सांसद ने कहा, ''भाजपा के लोग कहते हैं कांग्रेस के समय आतंकवादी मार कर चले जाते थे, तो क्या आपको नहीं पूछना चाहिए कि उरी, पठानकोट, पुलवामा और पहलगाम में मार कर कैसे चले गए?''

माओवादियों के साथ वार्ता के प्रस्ताव पर कांग्रेस में अंदरूनी चर्चा के बाद होगा निर्णयः रेवंत रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि माओवादियों के साथ संघर्ष विराम और शांति वार्ता की वकालत करने वाले बुद्धिजीवियों के एक समूह के प्रस्ताव पर राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिये जाने से पहले सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर इसपर चर्चा की जाएगी।

यहां मीडियाकर्मियों के साथ अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने 'ऑपरेशन कगार (छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों में माओवाद विरोधी अभियान)' पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस की भी वकालत की। रविवार को एक रैली में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) द्वारा की गयी आलोचना का जवाब देते हुए रेड्डी ने इसे गुस्से का इजहार के रूप में खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि राव के भाषण में कोई सार नहीं था। इस रैली में राव ने दावा किया था कि

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है। केसीआर की इस टिप्पणी पर कि कांग्रेस सरकार विधानसभा में 'बच्चों' (उनके बेटे और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव का स्पष्ट संदर्भ) के सवालों का जवाब देने में विफल रही है, रेड्डी ने आश्चर्य जताया कि ''बच्चों'' को विधानसभा में क्यों भेजा जाता है जबकि केसीआर दूर रहते हैं। मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि वह अगले 20 वर्षों तक राजनीति में सक्रिय रहने की योजना बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए रियायतों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को राज्य सरकार के कर्मचारियों और शिक्षकों के कल्याण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महंगाई भत्ते (डीए) में दो प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के अलावा विवाह के लिए अग्रिम भुगतान में कई गुना वृद्धि सहित कई घोषणाएं कीं। स्टालिन ने राज्य विधानसभा में यह घोषणा करते हुए पेंशनभोगियों को विभिन्न लाभों की भी पेशकश की।

स्टालिन ने कहा कि वर्तमान में राज्य सरकार के महिला और पुरुष कर्मचारियों को विवाह के लिए 'अग्रिम भुगतान' के रूप में क्रमशः 10,000 रुपये और 6,000 रुपये दिए जा रहे है जिसे अब कई गुना बढ़ाया जा रहा है और सरकारी कर्मचारियों व शिक्षकों को पांच लाख रुपये दिए जाएंगे।उन्होंने एक अप्रैल 2025 से डीए में दो प्रतिशत की वृद्धि की भी घोषणा की और कहा कि इससे लगभग 16 लाख कर्मचारियों, शिक्षकों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके लिए सालाना 1,252 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन किया जाएगा।

स्टालिन ने सरकारी कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि वे (कर्मचारी) विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं को लागू कर रहे हैं, जिनसे लोगों को लाभ होता है। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान निलंबित की

गई अर्जित अवकाश (ईएल) के बदले नकद लाभ की सुविधा को फिर से शुरू करने की घोषणा की। एक अक्टूबर 2025 से, नकद लाभ प्राप्त करने के लिए 15 दिनों तक की ईएल का प्रयोग किया जा सकता है। सरकारी कर्मचारियों ने इस सुविधा को इस वर्ष से लागू करने का अनुरोध किया था, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। इस कदम से लगभग आठ लाख सरकारी अधिकारियों और शिक्षकों को लाभ होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इसके लिए 3,561 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि आवंटित करेगी। स्टालिन ने इसके अलावा त्योहारों, बच्चों और शिक्षा के लिए दी जाने वाली मौजूदा अग्रिम राशि में वृद्धि की घोषणा की। त्योहारों के लिए अग्रिम राशि को वर्तमान में दिए जा रहे 1,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये किया जाएगा। ठीक इसी तरह, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए अग्रिम शिक्षा राशि को बढ़ाकर 1,00,000 रुपये किया जाएगा जबकि कला एवं विज्ञान और पॉलिटेक्निक के लिए राशि को बढ़ाकर 50,000 रुपये किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मातृत्व अवकाश वर्तमान नौ महीने से बढ़ाकर एक वर्ष करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन योजना, अंशदायी पेंशन योजना और एकीकृत पेंशन योजना का अध्ययन करने के लिए एक समिति गठित की जाएगी तथा समिति सितंबर के अंत तक सिफारिशों के साथ अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

स्टालिन ने जिन नौ कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की है उनसे सरकार को लगभग 5,000 करोड़ रुपये का कुल अतिरिक्त वार्षिक वित्तीय बोझ उठाना पड़ेगा। स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार सरकारी कर्मचारियों की सुरक्षा और उनका कल्याण सुनिश्चित करना जारी रखेगी।

मनो थंगराज ने तमिलनाडु के मंत्री पद की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में दो वरिष्ठ मंत्रियों के इस्तीफे के बाद स्टालिन के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में मामूली फेरबदल के तहत पद्मनाभपुरम के विधायक टी मनो थंगराज ने सोमवार को मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल आर एन रवि ने थंगराज को पद की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल के पिछले फेरबदल में थंगराज को दूध और डेयरी विकास मंत्री के पद से हटा दिया गया था।

राज्य विधानसभा में पारित विभिन्न विधेयकों को मंजूरी देने में देरी के संबंध में उच्चतम न्यायालय से द्रमुक सरकार के पक्ष में फैसला आने के बाद इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और राज्यपाल रवि के बीच पहली बार मुलाकात हुई। मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने हाथ मिलाया और एक-दूसरे का अभिवादन किया।

रविवार को तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी और के पोनमुडी ने अपने खिलाफ अदालती मामलों के मद्देनजर इस्तीफा दे दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच का सामना कर रहे सेंथिल बालाजी को पिछले सप्ताह उच्चतम न्यायालय ने ''पद और स्वतंत्रता के बीच'' चुनाव करने के लिए कहा था और चेतावनी दी थी कि अगर वह मंत्री पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी।

वहीं, पोनमुडी ने हाल में अपनी शैव-वैष्णव टिप्पणी से बड़ा विवाद पैदा कर दिया था, जिसकी व्यापक आलोचना हुई थी। पोनमुडी की टिप्पणी से जुडे मामले में मद्रास उच्च न्यायालय ने कार्यवाही शुरू की थी।

मंत्री एस एस शिवशंकर को बिजली विभाग दिया गया है, जो सेंथिल बालाजी के पास था। इसके अलावा, मंत्री एस मुथुसामी को आबकारी और निषेध विभाग दिया गया है, जो सेंथिल बालाजी के पास था। आर एस राजकन्नप्पन को उनके मौजूदा डेयरी विकास विभाग के अलावा पोनमुडी का वन विभाग दिया गया है। राज्यपाल ने थंगराज को मंत्रिमंडल में शामिल करने की मुख्यमंत्री की सिफारिश स्वीकार कर ली थी।

द्रमुक नेता सेंथिल बालाजी ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया, तमिलनाडु सरकार ने न्यायालय को बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय को सोमवार को सूचित किया गया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता वी सेंथिल बालाजी ने तमिलनाडु सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और राज्यपाल ने उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राज्य सरकार की ओर से न्यायालय में पेश राजभवन प्रेस विज्ञप्ति का संज्ञान लिया।

इस बीच, शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी होने तक बालाजी को मंत्री पद पर बने रहने से प्रतिबंधित करने के अनुरोध वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, हमें एक प्रेस विज्ञप्ति सौंपी गई है, जिसमें लिखा है कि उन्होंने (बालाजी) इस्तीफा दे दिया है, जिसे माननीय राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया है। इसलिए अब इस याचिका पर विचार करने का कोई मतलब नहीं है।

उच्चतम न्यायालय ने 23 अप्रैल को बालाजी को पद और आजादी के बीच में से किसी एक को चुनने का विकल्प दिया था। उसने द्रमुक नेता को चेतावनी दी थी कि अगर उन्होंने तमिलनाडु सरकार में मंत्री पद नहीं छोड़ा, तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी। शीर्ष अदालत ने इस बात पर आपत्ति जताई थी कि नौकरी के लिए नकदी घोटाले' से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत मिलने के कुछ दिन बाद ही बालाजी को तमिलनाडु के कैबिनेट मंत्री के रूप में बहाल कर दिया गया था।

न्यायालय ने 15 महीने से अधिक समय से जेल में बंद बालाजी (48) को पिछले साल 26 सितंबर को यह कहते हुए जमानत दे दी थी कि मुकदमे के निकट भविष्य में निपटने की कोई संभावना नहीं है। इसके बाद 29 सितंबर को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने बालाजी को मंत्री पद की शपथ दिलाई थी और उन्हें वही प्रमुख विभाग (बिजली, गैर-परंपरागत ऊर्जा विकास, निषेध एवं आबकारी) सौंपे गए थे, जो स्टालिन मंत्रिमंडल में पहले भी उनके पास थे। करूर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बालाजी को 14 जून 2023 को नौकरी के लिए नकदी घोटाले' से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया गया था। ईडी का आरोप है कि 2011 से 2015 के बीच पिछली अन्नाद्रमुक सरकार में परिवहन मंत्री के रूप में बालाजी के कार्यकाल के दौरान राज्य परिवहन विभाग में हुई भर्तियों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ था।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलूरु के साथ समझौता किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पांडिचेरी विश्वविद्यालय और सेंट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट बेंगलूरु ने आधिकारिक तौर पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। एक समारोह में हस्ताक्षरित यह समझौता विद्युत शक्ति प्रणालियों, नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और सतत विकास समाधानों में नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिए दो प्रमुख संस्थानों को एक साथ लाता है।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी. प्रकाश बाबू ने इस साझेदारी के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह उद्योग-अकादमिक संबंधों को मजबूत करने की विश्वविद्यालय की आकांक्षा के साथ अच्छी तरह से मेल खाता है। यह साझेदारी अकादमिक उत्कृष्टता और औद्योगिक विशेषज्ञता के बीच एक आदर्श तालमेल का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा, पांडिचेरी विश्वविद्यालय में, हम उद्योग-प्रासंगिक ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और सीपीआरआई के साथ यह सहयोग हमारे छात्रों और संकायों को पर्यावरणीय स्थिरता को बनाए रखते हुए भारत की बढ़ती ऊर्जा मांगों को संबोधित करने वाली परिवर्तनकारी परियोजनाओं पर काम करने में सक्षम बनाएगा। साथ मिलकर, हम अत्याधुनिक समाधान विकसित करेंगे जिन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर लागू किया जा सकता है।

सीपीआरआई के महानिदेशक बी.ए. सावले ने इन भावनाओं को दोहराते हुए कहा, भारत के प्रमुख विद्युत अनुसंधान संस्थान के रूप में, सीपीआरआई प्रयोगशाला अनुसंधान और वाणिज्यिक अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने के महत्वपूर्ण महत्व को पहचानता है। पांडिचेरी विश्वविद्यालय के साथ यह समझौता ज्ञापन हमें अपनी अत्याधुनिक परीक्षण सुविधाओं और उद्योग के दशकों के अनुभव को पांडिचेरी विश्वविद्यालय की मजबूत शैक्षणिक नींव और अनुसंधान क्षमताओं के साथ जोड़ने की अनुमति देता है।

समझौता ज्ञापन में सहयोग के लिए कई अवसर स्थापित किए गए हैं, जिनमें संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं, संकाय विनिमय कार्यक्रम और विशेषज्ञ व्याख्यान, सीपीआरआई सुविधाओं में छात्र इंटर्नशिप और व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुसंधान सुविधाओं और प्रयोगशालाओं तक साझा पहुंच और राष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन शामिल है, जिससे शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग में वृद्धि होगी।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय के डीन (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) प्रो. एस. विक्टर आनंदकुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक और औद्योगिक पहुंच के साथ-साथ सीपीआरआई बेंगलूरु के साथ समानताओं और संभावित तालमेल के बारे में बात की, जिससे ऊर्जा और विद्युत प्रणालियों के क्षेत्र में परिवर्तनकारी साझेदारी हो सकती है। एमओयू समन्वयक और ग्रीन एनर्जी टेक्नोलॉजी विभाग के संकाय सदस्य प्रो. पी. एलुमलाई ने विस्तार से बताया कि यह सहयोग लगभग एक वर्ष की सावधानीपूर्वक योजना और चर्चा का परिणाम है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि यह हमारे संकायों और सीपीआरआई के वैज्ञानिकों के बीच निरंतर बातचीत के लिए एक संरचित मंच बनाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि साझेदारी गतिशील और उत्पादक बनी रहे।

मदनजीत स्कूल ऑफ ग्रीन एनर्जी टेक्नोलॉजीज के डीन प्रोफेसर बीएम जाफर अली ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिदृश्य पर इस साझेदारी के संभावित प्रभाव पर प्रसन्नता व्यक्त की। एमओयू समारोह में प्रो. थारानिककारसु, निदेशक (एसईआईआरआर), प्रो. रजनीश भूटानी, रजिस्ट्रार (प्रभारी), संकाय सदस्य और दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह सहयोग पांडिचेरी विश्वविद्यालय और सीपीआरआई के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो एक जीवंत, ज्ञान-संचालित साझेदारी की नींव रखता है।

टीवीएस मोटर का जनवरी-मार्च में शुद्ध लाभ 69 प्रतिशत बढ़कर 698 करोड़ रुपए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी का जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 69 प्रतिशत बढ़कर 698 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से बिक्री बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी का शुद्ध लाभ जनवरी-मार्च 2024 में 412 करोड़ रुपये रहा था। टीवीएस मोटर कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 11,474 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 9,899 करोड़ रुपये थी। निर्यात सहित कुल दोपहिया तथा तिपहिया वाहनों की बिक्री भी सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 12.16 लाख इकाई हो गई। जनवरी- मार्च 2024 तिमाही में 10.63 लाख इकाई रही थी।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 54 प्रतिशत बढ़कर 76,000 इकाई हो गई, जो पिछले साल समान अवधि में 49,000 इकाई थी। दूसरी ओर, पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में उसका शुद्ध लाभ 2023-24 के 1,779 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 2,380 करोड़ रुपये हो गया। कुल आय बढ़कर 44,159 करोड़ रुपये हो गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 38,885 करोड़ रुपये थी।

टीवीएस के अनुसार, 2024-25 में दोपहिया और तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 47.44 लाख इकाई हो गई। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 41.91 लाख इकाई रही थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपनी अब तक की सबसे अधिक बिक्री, कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए मार्जिन) और लाभ दर्ज किया।

वित्त वर्ष 2024-25 में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 44 प्रतिशत बढ़कर 2.79 लाख इकाई हो गई। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 1.94 लाख इकाई रही थी।

तमिलनाडु के मंत्री आई पेरियासामी के विरूद्ध आरोप तय करे विशेष अदालत : मद्रास उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने सोमवार को डिंडीगुल जिले की एक विशेष अदालत को 2.1 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति के मामले में द्रमुक नेता और तमिलनाडु के मंत्री आई पेरियासामी एवं उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति पी वेलमुरुगन ने सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर यह निर्देश दिया, जिसमें पेरियासामी और उनके परिवार के सदस्यों को मामले से बरी करने के विशेष अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी।

विशेष अदालत के आदेश को रद्द करते हुए न्यायमूर्ति वेलमुरुगन ने उसे निर्देश दिया कि वह रोजमर्रा आधार पर सुनवाई करे और उसे छह महीने के भीतर पूरा करे। अभियोजन पक्ष का कहना है कि 2006 से 2010 तक मंत्री रहते हुए पेरियासामी ने अपने और अपनी पत्नी पी सुशीला तथा पुत्रों पी सेंतिलकुमार एवं पी प्रभु के नाम पर 2.1 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की थी, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक थी।

डिंडीगुल जिले की एक विशेष अदालत ने इस मामले से सभी चार आरोपियों को बरी कर दिया था। इसे चुनौती देते हुए डीवीएसी ने 2018 में यह आपराधिक पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। पेरियासामी वर्तमान द्रमुक सरकार में ग्रामीण विकास, पंचायत और पंचायत संघ विभाग संभाल रहे हैं।

तमिलनाडु में भ्रष्टाचार और वंशवादी शासन के दमन लिए भाजपा प्रतिबद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पूर्व एमएलसी तमिलनाडु और कर्नाटक के राष्ट्रीय सहप्रभारी डॉ. पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी ने सोमवार को विज्ञप्ति में कहा कि तमिलनाडु के साथ न्याय हुआ। न्यायपालिका की चेतावनी ने भ्रष्टाचार के लिए मृत्यु की घंटी बजा दी है। तमिलनाडु के लोगों में एक नई उम्मीद जगी है। भाजपा तमिलनाडु के लोगों के साथ मिलकर द्रमुक के भ्रष्ट और वंशवादी शासन को समाप्त करेगी, जिसने राज्य की प्रगति में बाधा डाली है और भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और अलगाववाद को प्राथमिकता दी है। भाजपा तमिलनाडु में जवाबदेही और सुशासन लाएगी, जिससे लोगों का व्यवस्था में विश्वास बहाल होगा।

हाल ही में तमिलनाडु मंत्रिमंडल से मंत्री सेंथिल बालाजी और पोनमुडी को हटाया जाना जनविरोधी द्रमुक सरकार के पतन में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। न्यायपालिका के हस्तक्षेप ने इस शासन के अंत का मार्ग प्रशस्त किया है, जो भ्रष्टाचार, कुशासन और

कानून के शासन के प्रति घोर उपेक्षा से ग्रसित रहा है। भ्रष्टाचार और न्यायालय की अवमानना के आधार पर इन दो मंत्रियों की बर्खास्तगी द्रमुक शासन पर एक गंभीर आरोप है। सेंथिल बालाजी के भ्रष्टाचार में शामिल होने और पोनमुडी की महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों ने व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है, जिससे सरकार के पास कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। यह घटनाक्रम द्रमुक की प्रभावी रूप से शासन करने में असमर्थता और ईमानदारी और जवाबदेही के सिद्धांतों को बनाए रखने में उसकी विफलता को रेखांकित करता है। द्रमुक का इतिहास भ्रष्टाचार और दुराचार के उदाहरणों से भरा पड़ा है, और पार्टी की नींव ही इन सिद्धांतों पर बनी है। पार्टी के नेतृत्व ने लगातार कानून के प्रति उपेक्षा और व्यक्तिगत लाभ के लिए सत्ता का दोहन करने की इच्छा का प्रदर्शन किया है। जैसे-जैसे तमिलनाडु के लोग द्रमुक की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ उठ खड़े होते हैं, पार्टी का आधार ढहने लगता है। न्यायपालिका के हस्तक्षेप ने विपक्ष के द्रमुक सरकार को गिराने के प्रयासों को बढ़ावा दिया है। न्यायालयों ने लगातार संविधान को बनाए रखने और सरकार को उसके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। सेंथिल बालाजी और पोनमुडी को हटाना राज्य में जवाबदेही और सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आगामी 2026 के विधानसभा चुनावों में द्रमुक के सत्ता से बाहर होने की संभावना है, जो तमिलनाडु की राजनीति में एक नया अध्याय लिखेगा। तमिलनाडु के लोग पार्टी के झूठे वादों को खारिज करेंगे और एक नए भविष्य के लिए वोट देंगे। भ्रष्टाचार और तानाशाही से चिह्नित द्रमुक का शासन जल्द ही समाप्त हो जाएगा। चूंकि द्रमुक की सरकार गिरने के कगार पर है, इसलिए यह स्पष्ट है कि पार्टी के दिन गिने-चुने रह गए हैं। तमिलनाडु के लोग बेहतर के हकदार हैं और बदलाव का समय आ गया है।

तमिलनाडु पुलिस ने कट्टरपंथ से मुक्ति कार्यक्रम के लिए 100 से अधिक युवाओं की पहचान की

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित और आईएसआईएस सहित प्रतिबंधित अंतरराष्टीय आतंकवादी संगठनों की ओर झुकाव वाले 100 से अधिक युवाओं की पहचान की है और उन्हें कट्टरपंथ से मुक्ति दिलाने वाले कार्यक्रम में शामिल किया है। तमिलनाडु सरकार ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत 2025-26 के लिए गृह विभाग संबंधी नीति नोट में कहा गया है कि विशेष खुफिया इकाइयों (एसआईयू) द्वारा उनकी पहचान की गई है।

इसमें कहा गया है, कट्टरपंथी विचारधारा रखने वाले तथा आईएसआईएस, अलकायदा आदि जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों की ओर झुकाव रखने वाले अनेक युवाओं की पहचान करने के प्रयास किए गए। कट्टरपंथ से मुक्त होकर उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए धार्मिक विद्वानों, मनोचिकित्सकों की सेवाओं का उपयोग किया गया है। अब तक, 101 कट्टरपंथी युवाओं को, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, कट्टरपंथ रोधी कार्यक्रम में शामिल किया गया है, जिसमें 2024 के दौरान शामिल किए गए 19 व्यक्ति शामिल हैं। पुलिस ने एक खुफिया रिपोर्ट के आधार पर राज्य में प्रतिबंधित हिज्ब-उत-ताहिर (एचयूटी) का समर्थन करने वाले कुछ लोगों' के प्रयासों को विफल कर दिया और उन्हें गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत गिरफ्तार कर लिया। उपासना स्थलों, कब्रिस्तानों आदि पर विवादों से जुड़े सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील मुद्दों पर संबंधित जिलों और शहरों के अधिकारियों के साथ समय पर खुफिया जानकारी साझा करने के कारण, सांप्रदायिक उपद्रव या झड़पों को विफल कर दिया गया।

प्रोवोक अवार्ड्स 2025 का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गिडी स्थित पांच सितारा होटल में प्रोवोक अवॉर्ड्स 2025 का आयोजन किया गया। प्रति वर्ष यह आयोजन सिनेमा संस्कृत तथा व्यवसाय में नवाचार को बढ़ावा देने वाली हस्तियों को सम्मानित करने हेतु आयोजित किया जाता है। इस वर्ष यह अवार्ड विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति में अस्सी लोगों को प्रदान किए गए जिनमें से प्रमुख रूप से डॉ. इशारी के गणेश, के भाग्यराज फिल्म अभिनेत्री खुशबू सुंदर, फिल्म अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर, जैसी प्रमुख हस्तियां रही इसके साथ ही अन्य प्रसिद्ध हस्तियों में ऐश्वर्या राजेश, सीन रोल्डन, पार्श्व गायक प्रवेश नारायण आदि को भी प्रोवोक अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम ब्यूटी गैराज की सहयोग से आयोजित किया गया था।

जैसलमेर में 800 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों ने लंबी अवधि के वीजा के लिए किया आवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के कम अवधि केवीजा पर पाकिस्तान से भारत आये हिंदू शरणार्थियों को फिलहाल वापस नहीं भेजने के मौखिक आदेशों के बाद राजस्थान में रह रहे हजारों की तादात में हिंदू पाक नागरिकों ने राहत की सांस ली है और आठ सौ से अधिक लोगों ने लंबी अवधि के वीजा के लिए आवेदन किया है। सरकार के निर्देशों के बाद अब कम अवधि के वीजा पर भारत आये हिंदू पाक नागरिकों को लंबी अवधि के वीजा के लिये आवेदन करने को कहा गया है।

इसके तहत गत शनिवार और रविवार को जैसलमेर में करीब 800 से ज्यादा हिन्दुओं ने लंबी अवधि के वीजा के दस्तावेज तैयार कर विदेश पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) में जमा करवाई है। ये लोग पाकिस्तान विस्थापित हिंदू शरणार्थी शामिल हैं, जो लंबे समय से भारत में रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह राहत इन लोगों को पाकिस्तान से भारत में रहने की वैधता प्रदान कर सकती है और उनके जीवन में एक नई उम्मीद की किरण जगी है। सीमांत लोक संगठन के दलीप सिंह सोढा ने कहा, हमने सरकार से राहत मिलने का आश्वासन प्राप्त किया है। पाकिस्तान के हिंदू शरणार्थियों को राहत मिलने की संभावना है और हम इस फैसले से बहुत उम्मीदें रखते हैं।

इस राहत के तहत सरकार से मिले मौखिख आदेशों के बाद शार्ट टर्म वीजा पर भारत आये पाकिस्तान के विस्थापित हिंदू शरणार्थी के लिए आवेदन करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार जल्द ही पाकिस्तान के हिंदू शरणार्थियों के लिए आदेश जारी कर सकती है, जिससे इन शरणार्थियों को एक निश्चित अवधि के लिए राहत प्रदान की जाएगी।

अत्याधुनिक हवाई सुविधाओं के विस्तार से अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हवाई सुविधाओं का विस्तार करने के लिए राज्य सरकार ने दूरगामी निर्णय लिए हैं। इससे पर्यटन, शिक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अपेक्षित गति मिलेगी। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध करने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट महत्वपूर्ण साबित होगा। इस एयरपोर्ट के विकास के लिए राज्य सरकार एवं भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के मध्य एमओयू हो चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की ईएचवी लाइन शिफ्टिंग और आरआरवीपीएनएल की लाइन शिफ्टिंग के कार्य में तेजी लाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट पर बनने जा रहे स्टेट टर्मिनल पर विश्व स्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएं। इसमें ग्रीन एरिया, पार्किंग, मीटिंग हॉल आदि के संबंध में विशेष योजना बनाकर कार्य किया जाए ताकि आगंतुकों को श्रेष्ठ सुविधाएं एवं सेवाएं सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने कहा कि टर्मिनल की बिल्डिंग के स्थापत्य में जयपुर की विरासत की झलक मिले और आधुनिक सुविधाएं भी विकसित हो। भविष्य में आगंतुकों की संख्या एवं हवाई सेवाओं के अनुरूप टर्मिनल का निर्माण किया जाए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि टर्मिनल के निर्माण के लिए 12 हजार 778 वर्ग मीटर भूमि का आवंटन हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हवाई पट्टियों के उन्नयन और मरम्मत कार्य के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने उदयपुर हवाई अड्डे के विस्तार एवं उत्तरलाई हवाई पट्टी पर सिविल एन्क्लेव और अप्रोच रोड के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल की क्षमता 50 लाख से बढ़ाकर 70 लाख यात्री प्रतिवर्ष की जा रही है।

शर्मा ने प्रदेश में हवाई पट्टियों के उन्नयन और विस्तार की समीक्षा की। उन्होंने झुंझुनूं, आबू रोड़ और डूंगरपुर हवाई पट्टी के विस्तार व प्रतापगढ़ और हमीरगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (एफटीओ) के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने हरियाणा से सालासर और खाटूश्यामजी के लिए हवाई सुविधा और एयर एंबुलेंस सुविधा के विस्तार के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि एयर एंबुलेंस की सुविधा से दूरस्थ स्थानों के लिए आपातकालीन चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी जिससे आमजन को राहत मिलेगी। शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान नागरिक उड्डयन क्षेत्र में हुए एमओयू पर हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली

खरगे, गहलोत, पायलट और डोटासरा ने मोदी सरकार पर उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की 'संविधान बचाओ रैली' में सोमवार को पार्टी के शीर्ष नेताओं ने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रधानमंत्री मोदी पर कई गंभीर सवाल उठाए और उनकी नीतियों को कठघरे में खड़ा किया। मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री मोदी क्यों नहीं आए? जब देश के स्वाभिमान पर हमला हो, तब आप चुनावी भाषण देने बिहार क्यों गए? सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री की मौजूदगी होती तो हम सब को मदद के बारे में योजनाएं पता चलतीं।

उन्होंने बीजेपी और हिंदुत्व के मुद्दे पर भी सवाल उठाए। खरगे ने कहा, अमित शाह ने संसद में बाबा साहेब अंबेडकर के नाम पर नफरत करने का बयान दिया। अंबेडकर जितना भगवान का नाम लेते तो स्वर्ग मिल जाता, लेकिन अब वह यह तय नहीं कर सकते कि स्वर्ग मिलेगा या नहीं। खरगे ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैं भी हिंदू हूं और मेरा नाम तो 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अमित शाह और मोदी दलितों और पिछड़ों को झुकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दलित झुकने वाले नहीं हैं। गोविंद सिंह डोटासरा ने मोदी से पूछा, पहले पुलवामा में हुआ, अब पहलगाम में हुआ। यह चूक कहां हुई? मोदीजी आपने जो वादे किए थे, उनका क्या हुआ? एक के बदले 100 सिर कब आएंगे? पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गांधी परिवार का बचाव किया, सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर हमला किया जा रहा है। गांधी परिवार ने देश के लिए बलिदान दिए हैं। पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए अपनी जान दी। आज उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है।सचिन पायलट ने संविधान पर हमलों का विरोध करते हुए कहा, बीजेपी संविधान को कमजोर कर रही है और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। महाराष्ट्र में वोटर्स से ज्यादा वोट पड़े, इस पर चुनाव आयोग चुप है। रैली में कांग्रेस नेताओं ने मोदी सरकार की नीतियों पर कड़ी आलोचना करते हुए संविधान को बचाने का संकल्प लिया। खरगे, गहलोत, पायलट और डोटासरा ने जनता से बीजेपी के खिलाफ संघर्ष जारी रखने की अपील की। रैली के बाद, खरगे ने राजस्थान के कांग्रेस नेताओं के साथ तीन अलग-अलग बैठकों का आयोजन किया, जिसमें संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। राजस्थान में कानून व्यवस्था की स्थिति पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, राजस्थान में कानून व्यवस्था इतनी खराब है कि एक महीने में तीन दलितों की हत्या कर दी गई। रैली को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

सरकार की मंशा अंतिम पंक्ति में बैठे प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिल सके योजनाओं का लाभ : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा अधिकारीगण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इस तरह का माइक्रो मैनेजमेंट करें कि निचले तबके और जरूरतमंद हर व्यक्ति को सरकार द्वारा चलाई जा रही सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं का लाभ मिल सके। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सोमवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय 'अम्बेडकर भवन' में विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि समाज कल्याण की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिल सके।

गहलोत ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं में लम्बित बिन्दुओं पर चर्चा की गई साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं की अब तक की प्रगति रिपोर्ट जानी। इस दौरान विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की आदिनांक तक की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बैठक में अनुप्रति कोचिंग योजना की नवीनतम अपडेशन, छात्रावासों में सामान क्रय के लिए गठित संभागीय कमेटियों की प्रगति रिपोर्ट भी ली। बैठक में कृषि विपणन बोर्ड एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्यों की अब तक प्रगति रिपोर्ट, आवासीय विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्ति पर स्टाफ लिये जाने की प्रक्रिया प्रारंभ करना, कोर्ट केसेज की नवीनतम स्थिति, विभागीय आदेशों के विरूद्ध विभिन्न न्यायालयों द्वारा दिये गये स्थगनों आदेशों को निरस्त कराना, जवाब पेश करना संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुलाकात

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने सोमवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर संवाद किया। राजभवन पहुंचने पर राज्यपाल बागड़े ने पंजाब के राज्यपाल कटारिया का भावभरा अभिनन्दन किया। दोनों की यह शिष्टाचार भेंट थी।

अटारी सीमा से 96 पाकिस्तान नागरिक लौटे

जैसलमेर। भारत सरकार द्वारा अल्पावधि वीजा पर आए पाकिस्तान के नागरिकों को वापस अपने देश जाने के निर्देश के बाद ये नागरिक अटारी बार्डर से स्वदेश लौटना शुरू हो गए हैं। जौधपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक (सीआईडी) अजयसिंह ने बताया कि रविवार तक राज्य के सीमावर्ती एवं आसपास के पांच जिलों से 96 पाकिस्तानी नागरिकों को डिपोर्ट किया गया है। इसमें सीमावर्ती जैसलमेर से सात, बाड़मेर से छह, फलौदी से दो, बालोतरा से एक एवं जोधपुर से 76 तथा बीकानेर से चार पाकिस्तानी नागरिक शामिल है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार से मिले निर्देश के बाद विदेशी पंजीयन अधिकारी द्वारा पाकिस्तान के नागरिकों को 48 घण्टे के अंदर देश छोड़कर वापस स्वदेश लौटने का आदेश दिए थे। इन्हें हर हाल में रविवार रात 12 बजे से पहले अटारी बार्डर से भारतीय सीमा से निकल कर पाकिस्तान जाने के आदेश दिए थे।

बाड़मेर में तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस रहा

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर इलाकों में भीषण गर्मी का दौर जारी है जहां सोमवार सुबह तक पिछले चौबीस घंटे के दौरान सीमावर्ती बाड़मेर में अधिकतम तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य के जोधपुर संभाग में उष्ण लहर दर्ज की गई तथा शेष राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गय जो सामान्य से 4.0 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहीं, राज्य में सर्वाधिक न्यूनतम तापमान बाड़मेर में 28.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 30 अप्रैल तक राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भाग में कहीं-कहीं लू चलने का अनुमान जताया है, जबकि मई के पहले हफ्ते में पूर्वी हवाएं प्रभावी होने व एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से आंधी एवं बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने तथा तापमान में कमी होने से गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

मानसून में बाढ़, जल भराव जैसी सम्भावित स्थिति से तैयार रहने के लिए नई दिल्ली में होगी उच्च स्तरीय बैठक

जयपुर। हर साल मानसून में देश के किसी न किसी हिस्से में बाढ़, जल भराव, बांध या नहरें टूटने की घटनाएं होती हैं। यदि समय रहते तैयारियां कर ली जाए तो ये घटनाएं काफी हद तक कम हो जाती है तथा ऐसी घटनाएं होने के बावजूद मानव व अन्य संसाधनों का नुकसान सीमित रखा जा सकता है। इसी बिन्दु को दृष्टिगत रखते हुए केन्द्रीय गृह मंत्रालय का आपदा प्रबंधन डिविजन आगामी 8 व 9 मई को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में वार्षिक सम्मेलन आयोजित कर रहा है जिसमें सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की आपदा प्रबंधन तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। राज्य के आपदा प्रबंधन, राहत और नागरिक सुरक्षा विभाग ने इसकी तैयारियों के लिए सभी जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की शीघ्र बैठक आयोजित कर आईडीआरएन पोर्टल पर डेटा अपडेट करने तथा जिला आपदा प्रबंधन प्लान तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। आईडीआरएन (इंडिया डिजास्टर रेस्पोंस नेटवर्क) पोर्टल ऐसा मंच है जो किसी भी आपदा से निपटने के लिए कुशल मानवीय संसाधन और उपकरणों की उपलब्धता, उन्हें प्राप्त करने के तरीके तथा हर प्रकार के कॉंटेक्ट नम्बर उपलब्ध करवाता है। जैसे किसी जिले में बाढ़ आने पर उस जिले या समीपवर्ती जिले में नाव, नाविक, मिट्टी के कट्टे, ट्रैक्टर, अन्य वाहन, रसद सामग्री, शुद्ध पेयजल, किस स्थान से किस से सम्पर्क करने पर प्राप्त होगी।

तीर्थराज पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर को प्रमुख धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में किया जाए विकसित : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित करने के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राजस्थान की गौरवशाली विरासत के संरक्षण के कार्य सुनिश्चित करें ताकि आने वाली पीढ़ियां हमारे इतिहास को समझें, जानें और गौरवान्वित महसूस करें।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर पर्यटन, कला, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की बजट घोषणाओं पर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटन से संबंधित सभी विकास कार्य तय समय पर पूरे किए जाएं। समय पर कार्य पूरा नहीं होने से लागत में वृद्धि होती है जिससे राजस्व की हानि भी होती है। लम्बित कार्यों के लिए संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाए। शर्मा ने पर्यटन विभाग को जयपुर में राज्य स्तरीय संग्रहालय बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय में राजस्थान के सभी क्षेत्रों की रियासतकालीन विरासत और बहुरंगी कला-संस्कृति को प्रदर्शित किया जाए ताकि किसी भी क्षेत्र से आने वाला आगन्तुक प्रदेश की धरोहर से रूबरू हो सके। मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शेखावाटी क्षेत्र की पुरानी हवेलियों के संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाएं। हवेलियों के स्थापत्य को नुकसान न हो और आवश्यकता पड़ने पर जीर्णोद्धार के कार्य भी करवाए जाएं।

पर्यटन सेक्टर 8 करोड़ लोगों को रोजगार दे रहा है : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आईसीएआई के दुबई चैप्टर द्वारा ईयर ऑफ ग्रोथ 2025-26 विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि पर्यटन और संस्कृति भारत के समावेशी और सतत विकास के प्रवेशद्वार बनते जा रहे हैं। पर्यटन न केवल अर्थव्यवस्था में लगभग 9% का योगदान देता है, बल्कि 8 करोड़ लोगों को रोजगार भी प्रदान करता है। यह ग्रामीण उत्थान, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक संरक्षण का भी प्रमुख साधन है।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने गर्व जताया कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान देश ने हिमालय की चोटियों से लेकर अंडमान के समुद्र तटों तक और रामायण व बौद्ध ट्रेल्स से लेकर मेडिकल व एडवेंचर टूरिज्म तक अपने विविध पर्यटन प्रस्तावों को वैश्विक मंच पर प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि टूरिज्म सिर्फ ट्रैवल नहीं, यह ट्रांसफॉर्मेशन है, यह दुनिया को भारत से जोड़ने वाला सेतु है। शेखावत ने आगे कहा कि 2024 में भारत ने करीब 2 करोड़ विदेशी पर्यटकों का स्वागत किया जिससे 30 बिलियन डॉलर से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। 'स्वदेश दर्शन 2.0' और 'देखो अपना देश' जैसे अभियानों ने घरेलू पर्यटन को एक नई ऊर्जा दी है।

शेखावत ने संस्कृति को विकास का सॉफ्ट पावर बताते हुए कहा कि 21वीं सदी में भारत की परंपराएं जैसे योग, आयुर्वेद, शास्त्रीय नृत्य और वस्त्र, वैश्विक चेतना का हिस्सा बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि 2025 सांस्कृतिक कूटनीति के लिए एक निर्णायक वर्ष है जिसमें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और रामायण महोत्सव जैसे आयोजन भारत की सांस्कृतिक शक्ति को विश्व तक पहुंचा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार ईयर ऑफ ग्रोथ में सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दे रही है। संग्रहालयों, डिजिटल आर्काइव्स, सांस्कृतिक केंद्रों और कलाकारों के कल्याण हेतु एक समृद्ध इकोसिस्टम पर निवेश किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' जैसी पहलें इस सोच को मूर्त रूप दे रही हैं कि संस्कृति केवल पहचान ही नहीं, बल्कि समृद्धि का मार्ग भी है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर 'परशुरामचरितम' का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर सनातन धर्म रक्षा संघ, अजयमेरू (राजस्थान) द्वारा एक भव्य व्याख्यान एवं ग्रंथ विमोचन समारोह का आयोजन वैशाली नगर रोड स्थित तपस्वी भवन में सम्पन्न हुआ। समारोह का मुख्य आकर्षण साहित्यकार विजय संस्कार (विजयकुमार शर्मा) द्वारा रचित पौराणिक ग्रंथ 'परशुरामचरितम' का लोकार्पण रहा। इस अवसर पर 'भगवान परशुराम: केवल ब्राह्मण नहीं, संपूर्ण सनातन धर्म के पूज्य देवता' विषय व भगवान परशुराम के जीवन, आदर्शों और सनातन धर्म में उनके योगदान पर विभिन्न विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर श्रीश्री नर्मदाशंकरपुरी जी ने कहा कि भगवान परशुराम समग्र सनातन संस्कृति के रक्षक और धर्म व्यवस्था के आधार स्तंभ थे। आज भी उनके तेजस्वी आदर्शों को आत्मसात कर अन्याय, भ्रष्टाचार और अधर्म का नाश संभव है। महानिर्वाणी अखाड़ा की साध्वी अनादि सरस्वती जी ने कहा, भगवान परशुराम ने ब्राह्मणत्व को जन्म नहीं, बल्कि गुण, आचरण और तपस्या से परिभाषित किया। उनके जीवन से युवाओं को साहस, परिश्रम और धर्मनिष्ठा की प्रेरणा लेनी चाहिए। डॉ. आशुतोष पारीक ने कहा कि भगवान परशुराम अन्याय के विरुद्ध स्थायी चेतावनी हैं। धर्म के लिए संघर्ष करना और समाजहित को सर्वोपरि रखना ही सच्चा सनातन धर्म है। महंत श्यामसुंदर शरण देवाचार्य ने कहा कि भगवान परशुराम का अवतार कालजयी है। उनके आदर्श हर युग में धर्मरक्षा का प्रकाश-पथ दिखाते रहेंगे। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के बीके रूपा ने कहा कि आज के युग में संस्कारों की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने प्रतिदिन ग्रंथों का अध्ययन करने का भी आग्रह किया। इस मौके पर सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह का संचालन डॉ. लाल थदानी, योगेश गौड़, डॉ. दीपा थदानी और लता शर्मा ने किया। इस अवसर पर टाटा पावर के सीईओ सुनील शर्मा, राजस्थान ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष सुदामा शर्मा, राजकुमार शर्मा (राजदरबार) , राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सीताराम सहित बड़ी संख्या में विप्र जन उपस्थित थे।

बंगाल में नौकरी गंवा चुके 400 से अधिक स्कूल कर्मियों ने कोलकाता में सड़क को अवरुद्ध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। उच्चतम न्यायालय के तीन अप्रैल के आदेश के बाद अपनी नौकरी गंवा चुके 25,753 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों में से 400 से अधिक लोगों ने सोमवार को दक्षिण कोलकाता में हाजरा क्रॉसिंग को अवरुद्ध कर दिया और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की मांग की।

व्यस्त आशुतोष मुखर्जी रोड और हाजरा रोड क्रॉसिंग पर लगभग एक घंटे तक यातायात ठप रहा। प्रदर्शनकारियों ने 2016 की बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) भर्ती परीक्षा पास करने के बावजूद उन्हें 'दागी' करार दिये जाने पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि उन्हें फिर से बहाल किया जाए या कम से कम 31 दिसंबर तक काम करने की अनुमति दी जाए, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने कुछ शिक्षकों को अस्थायी तौर पर काम करने की अनुमति दी है। जब पुलिस ने उन्हें लगभग एक किलोमीटर दूर कालीघाट क्षेत्र में मुख्यमंत्री के सरकारी आवास की ओर बढ़ने से रोकने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हुई और वे सड़क के बीच में बैठ गए।

विवादित बयानों को लेकर भाजपा का कांग्रेस पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के कुछ नेताओं की पहलगाम हमले से संबंधित टिप्पणियों को लेकर सोमवार को मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधा और मल्लिकार्जुन खरगे तथा राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या राष्ट्रीय एकता का उनका आह्वान महज एक औपचारिकता थी।

दूसरी तरफ, कांग्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में अपने कुछ नेताओं की विवादित टिप्पणियों से दूरी बनाते हुए हिदायत दी कि इस संवेदनशील विषय पर पार्टी लाइन से हटकर बयान नहीं दिया जाना चाहिए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति का प्रस्ताव, मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी द्वारा व्यक्त विचार ही पार्टी की राय है।

नेताओं से बयानबाजी न करने की कांग्रेस की हिदायत

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने विपक्षी पार्टी के नेतृत्व पर निशाना साधने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, महाराष्ट्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार, कर्नाटक के मंत्री आर बी तिम्मापुर तथा राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाद्रा सहित पार्टी के कई नेताओं के नाम लिये। उन्होंने कहा, ''क्या राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे का अपनी पार्टी पर कोई नियंत्रण नहीं है? या फिर उन दोनों ने औपचारिक टिप्पणियां कीं और दूसरों को अपनी मर्जी से बोलने की आजादी दी?''

प्रसाद ने कहा कि उनकी (कांग्रेस नेताओं की) टिप्पणियों का इस्तेमाल पाकिस्तान में, यहां तक कि वहां की मीडिया द्वारा भी भारत को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जब आतंकी हमले के बाद पूरी दुनिया भारत के साथ है, चाहे वह अमेरिका हो, फ्रांस हो या सऊदी अरब,- ये नेता इस तरह की शर्मनाक और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी कर रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि वडेट्टीवार और तिम्मापुर जैसे नेताओं ने कुछ पीड़ितों के इस बयान पर सवाल उठाया है कि आतंकवादियों ने गैर-मुसलमानों की पहचान की और फिर उन्हें गोली मार दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आतंकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई के लिए सर्वदलीय बैठक में सरकार को अपना समर्थन दिया था, जो भारत के परिपक्व लोकतंत्र की ताकत को दर्शाता है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कांग्रेस कार्यसमिति ने 24 अप्रैल, 2025 को बैठक की और इससे दो दिन पहले पहलगाम में पर्यटकों पर हुए बर्बर आतंकी हमले पर एक प्रस्ताव पारित किया। इसके पश्चात 24 अप्रैल, 2025 को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सर्वदलीय बैठक में भाग लिया तथा पार्टी का पक्ष रखा।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के कुछ नेता मीडिया में चर्चा कर रहे हैं। वे केवल अपनी व्यक्तिगत राय रखते हैं, वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।''

रमेश ने कहा कि ऐसे अत्यंत संवेदनशील समय में इस बात में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि केवल कांग्रेस कार्यसमिति का प्रस्ताव, मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी द्वारा व्यक्त विचार एवं अधिकृत पार्टी पदाधिकारियों के विचार ही कांग्रेस की आधिकारिक राय का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बाद में रमेश ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''कांग्रेस नेता इस संवेदनशील विषय पर पार्टी लाइन के अनुसार टिप्पणी करें या फिर बयानबाजी से परहेज करें।''

ममता ने जगन्नाथ मंदिर उद्घाटन से पहले कहा

दीघा अंतरराष्ट्रीय आकर्षण का पर्यटक केंद्र बनेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीघा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को उम्मीद जतायी कि 30 अप्रैल को नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन के बाद दीघा एक अंतरराष्ट्रीय आकर्षण का पर्यटक केंद्र बन जाएगा।

दीघा पश्चिम बंगाल के दक्षिणी भाग में पूर्व मेदिनीपुर जिले में एक लोकप्रिय समुद्री 'रिसॉर्ट' शहर है। सोमवार दोपहर यहां पहुंचीं बनर्जी ने कहा कि यह मंदिर अगले कई हजार वर्षों तक लोगों के समागम स्थल के रूप में काम करेगा। बनर्जी ने कहा, ''यह मंदिर निश्चित रूप से राज्य के लिए एक नया आयाम जोड़ेगा। दीघा अंतरराष्ट्रीय आकर्षण का एक पर्यटक केंद्र बन जाएगा। यह सद्भाव का स्थान बनेगा।'' उन्होंने कहा,''समुद्र के कारण दीघा का एक विशेष आकर्षण है। अब, अगर यह तीर्थस्थल बन जाता है, तो अधिक पर्यटक यहां आएंगे। मुझे लगता है कि मूर्तिकारों ने शानदार काम किया है।'' दीघा में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन 30 अप्रैल को 'अक्षय तृतीया' के शुभ अवसर पर किया जाएगा। यह पुरी के 12वीं सदी के मंदिर जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति है। मुख्यमंत्री ने जगन्नाथ मंदिर के भव्य उद्घाटन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, ''अनुष्ठान...यज्ञ कल तक जारी रहेंगे। परसों मूर्तियों की स्थापना की तैयारी होगी। उसके बाद उद्घाटन होगा।'' दीघा पुरी से 350 किलोमीटर की दूरी पर है।

कृष्ण जन्मभूमि मामले में केंद्र, एएसआई को पक्षकार बनाने की अनुमति प्रथम दृष्टया सही : शीर्ष अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में हिंदू वादियों को केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पक्षकार बनाने की अनुमति देने संबंधी इलाहाबाद उच्च न्यायालय का आदेश प्रथम दृष्टया सही है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पांच मार्च 2025 को दो वाद में संशोधन की अनुमति दी थी तथा याचिकाकर्ताओं को केंद्रीय गृह मंत्रालय और एएसआई को प्रतिवादी बनाने की अनुमति दी थी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि वाद में संशोधन की अनुमति देने में प्रथम दृष्टया कुछ भी गलत नहीं है और संशोधित वाद पर जवाब दाखिल किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''एक बात तो स्पष्ट है। हिंदू वादियों द्वारा मूल शिकायत (दो वाद) में संशोधन की अनुमति दी जानी चाहिए थी।''

पीठ ने हालांकि मथुरा की शाही मस्जिद ईदगाह न्यास प्रबंधन समिति की याचिका पर सुनवाई टाल दी और इसे इसी मामले से संबंधित अन्य लंबित मामलों के साथ संबद्ध कर दिया। मस्जिद समिति ने ''देवता भगवान श्री कृष्ण लला विराजमान का अदालत में प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त व्यक्ति'' और ''देवस्थान श्री कृष्ण जन्मभूमि'' तथा हरि शंकर जैन सहित नौ अन्य को पक्षकार बनाया है।

मस्जिद समिति ने कहा कि संशोधन ने उन हिंदू वादियों द्वारा दायर मूल वाद के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल दिया है, जिन्होंने शाही मस्जिद ईदगाह के स्थल पर अधिकार का दावा करते हुए इसे भगवान श्री कृष्ण का जन्मस्थान बताया था।

पहलगाम हमले के बाद से असम में 'पाकिस्तान का बचाव' करने के आरोप में 22 लोग गिरफ्तार : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारतीय धरती पर पाकिस्तान का बचाव करने के आरोप में अब तक कम से कम 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शर्मा ने 'एक्स' पर कहा, अब तक 22 देशद्रोही गिरफ्तार किए गए हैं। रविवार रात तक गिरफ्तार लोगों की संख्या 19 थी।

गिरफ्तार किए गए लोगों में विपक्षी एआईयूडीएफ विधायक अमीन-उल-इस्लाम भी शामिल हैं, जिन पर पहलगाम हमले में पाकिस्तान और उसकी मिलीभगत का कथित रूप से बचाव करने के लिए राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। शर्मा ने शनिवार को कहा था कि अगर जरूरी हुआ तो गिरफ्तार लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के प्रावधान भी लगाए जाएंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा था, भारत और पाकिस्तान के बीच कोई समानता नहीं है। दोनों देश दुश्मन देश हैं और हमें ऐसे ही रहना चाहिए।

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पर्यटक स्थल बैसरन पर 22 अप्रैल को आतंकवादियों के हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

सरकार आतंकी हमले के जवाब में जलबंदी करेगी तो सपा पूरा समर्थन देगी: अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि अगर सरकार पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 'जलबंदी' करती है तो वह उसका पूरा समर्थन करेंगे।

साथ ही उन्होंने आगाह किया कि अगर वह पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) की बात करती है तो उसे चीन का मुकाबला करने के लिए भी तैयार चाहिए। यहां एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए यादव ने पहलगाम मुद्दे को सबसे संवेदनशील बताया और कहा कि सरकार ने आश्वासन दिया है कि वह ठोस कदम उठाएगी, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण 'जलबंदी' योजना हो सकती है। उन्होंने कहा, सरकार के 'जलबंदी' (पानी की नाकाबंदी) कदम को सपा पूरा समर्थन दे रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए यादव ने कहा, मैंने यह कई बार कहा है और मैं दोहराता हूं - सीमाओं पर सेना की आवश्यकता है। जब भी आप पीओके का मुद्दा उठाते हैं, तो आपको चीन का मुकाबला करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

दंगा प्रभावित मुर्शिदाबाद में क्षतिग्रस्त मंदिरों का पुनर्निर्माण अक्षय तृतीया से : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल के दंगा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में क्षतिग्रस्त मंदिरों के पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार का काम अक्षय तृतीया से शुरू होगा।

विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने कहा कि ऐसे मंदिरों के 'शुद्धिकरण' के दौरान सभी अनुष्ठान किए जाएंगे। इस साल अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को है। उन्होंने दावा किया, ''वर्तमान में, इन मंदिरों पर जिहादियों द्वारा किए गए जघन्य, निंदनीय और बर्बर हमलों के निशान हैं। कुल नौ मंदिरों पर हमला किया गया और उन्हें क्षतिग्रस्त किया गया।'' अधिकारी ने यह दावा भी किया, ''हिंदू विरोधी ममता बनर्जी सरकार से कोई वित्तीय सहायता स्वीकार नहीं की जाएगी। मैं दोहराता हूं कि सभी खर्च हिंदू खुद वहन करेंगे।''

उन्होंने कहा, ''मुर्शिदाबाद के हिंदुओं को उनके गांव और पड़ोस के मंदिरों में पूजा करने के उनके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। ये पूजा स्थल तीर्थ स्थलों की तरह ही महत्वपूर्ण हैं।''

उप्र: 'भड़काऊ' पोस्ट के आरोप में लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के खिलाफ राजद्रोह समेत कई गंभीर धाराओं में लखनऊ के हजरतगंज थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस बीच राठौर ने पलटवार करते हुए सोशल मीडिया पर दावा किया कि सरकार उन पर प्राथमिकी दर्ज करवाकर असली मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहती है और कहा कि अगर सवाल पूछना बगावत है तो वह बागी हैं।

राठौर के खिलाफ दर्ज शिकायत में कहा गया है कि पिछले सप्ताह हुए पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर एक विशेष धर्म समुदाय को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर उनकी भड़काऊ पोस्ट देश की एकता को नुकसान पहुंचा सकती हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्राथमिकी कवि अभय प्रताप सिंह की शिकायत पर दर्ज की गई है।

शिकायतकर्ता अभय प्रताप सिंह ने कहा, ''गायिका एवं कवयित्री नेहा सिंह राठौर ने अपने 'एक्स' हैंडल पर पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और सोशल मीडिया मंच पर ऐसे वीडियो और पोस्ट साझा किए जिनका राष्ट्रीय अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।'' पुलिस ने बताया कि शिकायत में राठौर पर धर्म और जाति के आधार पर समुदायों के बीच मतभेद पैदा करने और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का आरोप लगाया गया है।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि राठौर ने पहलगाम हमले में निर्दोष लोगों की मौत पर सवाल उठाए और राष्ट्र विरोधी बयान दिए, जिससे शांति और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका उत्पन्न हुई। शिकायतकर्ता के हवाले से कहा गया है कि गायिका के बयान पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं, जहां मीडिया द्वारा उनका इस्तेमाल भारत विरोधी प्रचार के लिए किया जा रहा है।

शिकायत के आधार पर हजरतगंज पुलिस ने बताया कि लोक गायिका के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत कई आरोपों में मामला दर्ज किया गया है, जिसमें सांप्रदायिक दुश्मनी को बढ़ावा देने, सार्वजनिक शांति को भंग करने और भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने का प्रयास करना शामिल है। साथ ही, उन पर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस में स्पष्ट रूप से राजद्रोह का उल्लेख नहीं किया गया है, जैसा कि औपनिवेशिक युग के भादंसं की धारा 124ए में इसका उल्लेख था, लेकिन नई आपराधिक संहिता की धारा 152 देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने के समान आरोपों से निपटती है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद राठौर ने फेसबुक और 'एक्स' पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, पहलगाम हमले के जवाब में अब तक सरकार ने क्या किया है? मेरे ऊपर प्राथमिकी दर्ज कराई है? सरकार मेरे ऊपर प्राथमिकी दर्ज करवाकर असली मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहती है।

बहराइच के मदरसे में दसवीं का एक भी छात्र अंग्रेजी में नहीं लिख पाया अपना नाम, नोटिस जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बहराइच (उप्र)/भाषा। बहराइच जिला मुख्यालय के एक मदरसे में अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के निरीक्षण में दसवीं कक्षा के एक भी छात्र के अंग्रेजी में अपना नाम नहीं लिख पाने के बाद विभाग ने संचालक को चेतावनी देते हुए नोटिस जारी किया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्र ने संवाददाताओं को बताया कि रविवार को बड़ी तकिया में मान्यता प्राप्त मदरसा जामिया गाजिया सैयदुलुलुम का औचक निरीक्षण किया गया और इस दौरान एक अध्यापक अनुपस्थित मिले, लेकिन रजिस्टर में उसकी गैरहाजिरी दर्ज नहीं थी। उन्होंने बताया कि मुंशी, मौलवी और आलिम की कक्षाओं में भी बच्चों की संख्या पंजीकरण के सापेक्ष बहुत कम थी। मिश्र ने दावा किया कि निरीक्षण के दौरान दसवीं कक्षा के छात्रों से अंग्रेजी में अपना नाम और मदरसे का नाम लिखने को कहा गया लेकिन एक भी छात्र ऐसा नहीं कर पाया।

'लोग टी20 क्रिकेट में साझेदारियों का महत्व भूल रहे हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय दिग्गज विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट में साझेदारी बनाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इसका महत्व उन पिचों पर और बढ़ जाता है जहां बड़ा स्कोर बनाना संभव नहीं होता है।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में पिचें धीमी रही हैं, जिससे बल्लेबाजों को क्रीज पर आते ही आक्रामक रवैया अपनाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु और दिल्ली कैपिटल्स के बीच रविवार को यहां खेले गये मैच में हालांकि कोहली और लोकेश राहुल ने दिखाया कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से कैसे निपटा जाना चाहिये।

कोहली ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल की 10 पारियों में अपना छठा अर्धशतक लगाया, जिससे आरसीबी ने मौजूदा सत्र में घरेलू मैदान से बाहर अपना अजेय क्रम जारी रखा है।

कोहली ने दिल्ली पर छह विकेट की जीत के बाद प्रसारकों से कहा, '' इस पिच को देखते हुए यह एक बेहतरीन जीत थी। हमने यहां कुछ मैच देखे और यह विकेट उन मैचों की तुलना में अलग था। जब भी कोई लक्ष्य का पीछा करता है, तो मैं डगआउट से नजर रखता हूं कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे है या नहीं। ''

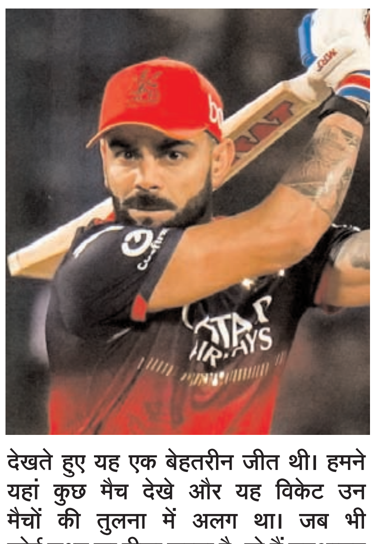

आसीबी ने जीत के लिए 163 रन का पीछा करते हुए 26 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे लेकिन कोहली (51) ने कृणाल पंड्या (नाबाद 73) के साथ चौथे विकेट के लिये 84 गेंद में 119 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। कोहली ने अपनी बल्लेबाजी के बारे में कहा कि वह परिस्थितियों का आकलन कर उसके अनुसार खेल की अपनी शैली में बदलाव करते हैं।

कोहली से जब पूछा गया कि लक्ष्य का पीछा करते समय वह किस तरह से योजना बनाते है तो उन्होंने कहा, '' मैं देखता हूं कि टीम को कितना स्कोर करना है, परिस्थितियां कैसी हैं। कौन से गेंदबाज गेंदबाजी करने वाले हैं। कौन से गेंदबाज हैं जिनके खिलाफ रन बनाना मुश्किल हो सकता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं कोशिश करता हूं कि मैं दौड़कर एक और दो रन लेते रहूं ताकि स्कोर बोर्ड पर रुकावट नहीं आये। लोग इस प्रारूप में साझेदारी के महत्व को भूल रहे हैं और इस टूर्नामेंट में साझेदारी और गेंदबाजों पर हावी होने की कोशिश का अच्छा परिणाम मिल रहा है।''

कृणाल अपनी पारी की शुरुआत में संघर्ष कर रहे थे लेकिन पिच और परिस्थितियों से तालमेल कायम करने के बाद नौ वर्षों में अपना पहला अर्धशतक लगाने में सफल रहे।

कोहली ने कहा, ''कृणाल ने शानदार प्रदर्शन किया। उसके पास मैच पर अपना प्रभाव छोड़ने की क्षमता है और यह सही समय था। हम लगातार बातचीत कर रहे थे जिसमें कृणाल मुझे क्रीज पर डटे रहने का सुझाव दे रहा था। वह इस दौरान अपने मौके का फायदा उठाता रहा।'' कोहली के आउट होने के बाद टिम डेविड ने सिर्फ पांच गेंदों पर 19 रन बनाकर टीम को नौ गेंद शेष रहते जीत दिला दी। टीम के आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ बल्लेबाजों के बारे में पूछे जाने पर कोहली ने कहा, ''हमारे पास टिम डेविड के रूप में अतिरिक्त ताकत है, साथ ही जितेश (शर्मा) भी है। पारी के अंत में उनकी ताकत निश्चित रूप से आपकी मदद करती है। टीम में अब रोमारियो (शेपर्ड) का भी विकल्प है।'' उन्होंने कृणाल और सुयश शर्मा की स्पिन जोड़ी की भी प्रशंसा की।

कोहली ने कहा, '' जोश हेजलवुड और भुवी (भुवनेश्वर कुमार) विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, यही कारण है कि जोश के पास पर्पल कैप है।'' उन्होंने कहा, ''कृणाल जिस तरह से अपनी गति में विविधता लाया, वह लाजवाब था। सुयश को ज्यादा विकेट नहीं मिले है लेकिन वह हमारे लिए छुपे रुस्तम रहे हैं हमारे स्पिनर बीच के ओवरों में लगातार आक्रमण करते रहते हैं।''

ओडिशा सरकार विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से जारी राशन कार्ड रद्द करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने राज्य में विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से जारी राशन कार्ड को रद्द करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह कदम हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले में ओडिशा के एक निवासी सहित 26 लोगों की मौत के बाद उठाया गया है। राज्य के खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण मंत्री के.सी. पात्रा ने बताया कि सभी जिलाधिकारियों को पाकिस्तानी, बांग्लादेशी और बर्मा (म्यांमा) के नागरिकों के राशन कार्ड तत्काल रद्द करने के निर्देश दिए गए हैं।

पात्रा ने कहा, आतंकवादी हमले के बाद हमने अपना रुख कड़ा कर लिया है। राज्य भर में रहने वाले विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकों के लिए निर्धारित लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि विदेशी नागरिक मुख्यतः बालासोर, केंद्रापाड़ा और जगतसिंहपुर जिलों में रह रहे हैं। अब तक राज्य में 11 पाकिस्तानी और 3,738 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की गई है। गृह विभाग के सूत्रों के अनुसार, राज्य में रह रहे बर्मा (म्यांमा) के नागरिकों का आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। राज्य के पुलिस महानिदेशक वाई.बी. खुरानिया ने बताया कि अब तक एक पाकिस्तानी नागरिक राज्य से बाहर चला गया है, हालांकि 12 ऐसे लोगों को निर्वासन नोटिस जारी किए गए हैं। राज्य में 30 साल से अधिक समय से और अपने परिवारों के साथ रह रहे अन्य लोगों के बारे में पूछे जाने पर खुरानिया ने कहा, हम गृह मंत्रालय के अगले निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। कुछ लोगों के पास दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) है और कुछ अपने एलटीवी के नवीनीकरण का इंतजार कर रहे हैं। राज्य गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार काम करेगा। राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि राज्य ने केंद्र को स्थिति के बारे में सूचित कर दिया है, लेकिन अंतिम निर्णय गृह मंत्रालय को लेना है।

सुविचार

दुनिया से धोखा मिलने के बाद ही, लोगों को अपने परिवार पर भरोसा होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दुष्प्रचार की दुकानों पर ताला

भारत सरकार ने भ्रामक, झूठी और भड़काऊ सामग्री का प्रसारण करने वाले लगभग डेढ़ दर्जन पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाकर दुष्प्रचार की दुकानों पर ताला लगा दिया है। ये चैनल भारतीय दर्शकों के कारण चल रहे थे और डॉलर में मोटी कमाई कर रहे थे। इनमें से कुछ चैनल तो भारत के खिलाफ खुलकर नफरत का इज़हार कर रहे थे। वहीं, कई चैनल साजिश के तहत भारत की खूब तारीफ कर रहे थे। उनके कथित रिपोर्टर जनता के बीच जाकर पाकिस्तान की सरकार, फौज और एजेंसियों के बारे में सख्त सवाल करते और भारत की तारीफों के पुल बांधते। इसके बाद वे 'सही-सलामत' लौट आते! ऐसा एक बार नहीं, सैकड़ों बार हुआ। क्या इससे शक पैदा नहीं होता? जिस देश में हर टीवी चैनल के बाहर खुफिया एजेंसियों के वाहन चक्कर लगाते रहते हैं, फौज के खिलाफ लिखने वाले पत्रकारों को गायब कर दिया जाता है, वहां ये यूट्यूबर आज़ाद घूम रहे थे! ऐसा कैसे संभव है? वास्तव में ये कोई और नहीं, बल्कि आईएसआई की कठपुतली थे। इन्हें बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ाया जा रहा था। इन यूट्यूब चैनलों के जरिए आईएसआई खास तरह के प्रयोग कर रही थी। भारत में कई लोग इतने दरियादिल हैं कि वे खुद इन चैनलों पर चर्चा में भाग लेने के लिए लालायित रहते थे। उनसे कभी आलू-भिंडी के भाव पूछे जाते, कभी बिजली के बिल के बारे में जानकारी ली जाती, कभी आस-पास के इलाकों को दिखाने का आग्रह किया जाता। इस जानकारी का दुरुपयोग किया जा सकता है।

इस्लामाबाद में रहने वाली एक कथित पत्रकार ने भारतीय दर्शकों की आंखों में खूब धूल झोंकी। उसके लाइव कार्यक्रम में एक और 'पत्रकार' प्रकट होता था। दोनों ही भारत की तारीफ करने में कोई कसर नहीं छोड़ते थे। एक दिन दोनों का पर्दाफाश हो गया। असल में वे पति-पत्नी हैं और एक ही घर के अलग-अलग कमरों में बैठकर यूट्यूब लाइव में भाग लेते थे। पिछले कुछ वर्षों में दोनों ने भारत में लाखों प्रशंसक बना लिए। उस महिला पत्रकार के पति के हावभाव, बैठने के तरीके आदि पर गौर करें तो शक होता है कि वह पाकिस्तानी फौज में कोई अधिकारी है, जो भारतप्रेमी होने का ढोंग कर रहा है। सवाल है- इन पाकिस्तानी यूट्यूबरों को इतना बड़ा किसने बनाया कि ये हमारी भावनाओं से खेल सकते हैं और मौका लगने पर फर्जी खबरें भी चला सकते हैं? जवाब है- भारत के करोड़ों नागरिकों और कुछ टीवी चैनलों ने। अगर हम पहले ही सतर्क हो जाते तो ये इतने बड़े नहीं बन पाते। जिन्हें लाहौर, कराची, इस्लामाबाद, पेशावर जैसे शहरों में सौ लोग नहीं जानते थे, उन्हें कुछ भारतीय चैनलों ने 'पाकिस्तान के मशहूर पत्रकार', 'रक्षा विशेषज्ञ' बना दिया। पाकिस्तान के एक चर्चित टिप्पणीकार, जो आए दिन अपने मुल्क की फौज को आड़े हाथों लेते रहते हैं, के बारे में कुछ साल पहले खुलासा हुआ कि उन्होंने अपनी बेटी को फौज की दुष्प्रचार शाखा 'आईएसपीआर' से पत्रकारिता का प्रशिक्षण दिलाया था। उसके बाद उनकी पोल खुलने लगी। दरअसल उन्हें फौज ने ही आगे बढ़ाया था। वे टीवी चैनलों पर आकर जो कुछ कहते, उसकी स्क्रिप्ट रावलपिंडी से आती थी। भारत में भी हजारों लोग उन्हें फॉलो करते हैं। इस तरह ये कथित यूट्यूबर, पत्रकार, टिप्पणीकार एक ओर तो समृद्ध होते जा रहे हैं, दूसरी ओर हमारे दुश्मन के एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत सरकार को प्रतिबंधों का चाबुक ऐसे कई चैनलों पर चलाने की जरूरत है। कपट का धंधा करने वाले ये चैनल जितनी जल्दी गायब हो जाएं, उतना अच्छा है।

ट्वीटर टॉक

आजनागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों को प्रदेश में हवाई सेवाओं के विस्तार, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विमानन सुविधाओं के उन्नयन एवं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने हेतु निर्देशित किया।

-भजनलाल शर्मा

पूर्व मंत्री महेश जोशी जी की पत्नी श्रीमती कौशल देवी जोशी जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं जोशी परिवार को यह अपार दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

उपयोगिता

एक राजा था। उसने आज्ञा दी कि संसार में इस बात की खोज की जाय कि कौन से जीव-जंतु निरुपयोगी हैं। बहुत दिनों तक खोज बीन करने के बाद उसे जानकारी मिली कि संसार में दो जीव जंगली मक्खी और मकड़ी बिल्कुल बेकार हैं। राजा ने सोचा, क्यों न जंगली मक्खियों और मकड़ियों को ख़त्म कर दिया जाए।

इसी बीच उस राजा पर एक अन्य शक्तिशाली राजा ने आक्रमण कर दियाँ, जिसमें राजा हार गया और जान बचाने के लिए राजपाट छोड़ कर जंगल में चला गया। शत्रु के सैनिक उसका पीछा करने लगे। काफ़ी दौड़-भाग के बाद राजा ने अपनी जान बचाई और थक कर एक पेड़ के नीचे सो गया। तभी एक जंगली मक्खी ने उसकी नाक पर डंक मारा जिससे राजा की नींद खुल गई। उसे ख़याल आया कि खुले में ऐसे सोना सुरक्षित नहीं और वह एक गुफ़ा में जा छिपा। राजा के गुफ़ा में जाने के बाद मकड़ियों ने गुफ़ा के द्वार पर जाला बुन दिया।

शत्रु के सैनिक उसे ढूँढ ही रहे थे। जब वे गुफ़ा के पास पहुँचे तो द्वार पर घना जाला देख कर आपस में कहने लगे, अरे! चलो आगे। इस गुफ़ा में वह आया होता तो द्वार पर बना यह जाला क्या नष्ट न हो जाता।

गुफ़ा में छिपा बैठा राजा ये बातें सुन रहा था। शत्रु के सैनिक आगे निकल गए। उस समय राजा की समझ में यह बात आई कि संसार में कोई भी प्राणी या चीज़ बेकार नहीं। अगर जंगली मक्खी और मकड़ी न होतीं तो उसकी जान न बच पाती। इस संसार में कोई भी चीज़ या प्राणी बेकार नहीं। हर एक की कहीं न कहीं उपयोगिता है।

सामयिक

अक्षय तृतीया : जीवन को समृद्ध और सार्थक बनाने का पर्व

संदीप सृजन
मोबाइल : 9406649733

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि जिसे अक्षय तृतीया या आखा तीज कहा जाता है, भारतीय संस्कृति और हिन्दू धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र पर्व है। यह अक्षय तृतीया का नाम 'अक्षय' शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'जो कभी नष्ट न हो' या 'शाश्वत'। इस दिन किए गए शुभ कार्य, दान, पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक कृत्यों को अक्षय फलदायी माना जाता है। यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक परम्पराओं में भी इसका विशेष स्थान है। भारत की विभिन्न धार्मिक और सामाजिक परम्पराओं में अक्षय तृतीया का बहुत महत्व है।

हिन्दू धर्म में अक्षय तृतीया का दिन कई पौराणिक और धार्मिक घटनाओं से जुड़ा हुआ है। इस दिन को सतयुग और त्रेतायुग के प्रारंभ का दिन भी माना जाता है। इसके अतिरिक्त, इस तिथि से जुड़े कई कथानक और मान्यताएँ इसे और भी पवित्र बनाती हैं। अक्षय तृतीया को भगवान विष्णु के छठे अवतार, परशुराम जी के जन्मदिवस के रूप में भी मनाया जाता है। परशुराम, जो अपने पराक्रम और धर्म की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान विष्णु के नर-नारायण अवतार की तपस्या भी अक्षय तृतीया के दिन से जुड़ी है। इस दिन बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खुलते हैं, जो हिन्दुओं के चार धामों में से एक है। यह घटना इस पर्व को और भी महत्वपूर्ण बनाती है।

ऐसा माना जाता है कि महर्षि वेदव्यास ने महाभारत की रचना अक्षय तृतीया के दिन से शुरू की थी। इसके साथ ही, इस दिन गंगा नदी का पृथ्वी पर अवतरण भी हुआ था। इसलिए, इस दिन गंगा स्नान और दान का विशेष महत्व है। एक अन्य कथा के अनुसार, इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मित्र सुदामा का आतिथ्य स्वीकार किया था। सुदामा ने श्रीकृष्ण को साधारण चावल (अक्षत) भेंट किए, जिसे भगवान ने बड़े प्रेम से ग्रहण किया और सुदामा को अपार धन-समृद्धि प्रदान की। इस कथा के कारण, अक्षय तृतीया को दान और आतिथ्य का विशेष महत्व दिया जाता है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया का दिन प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान ऋषभदेव ने एक वर्ष तक कठोर तपस्या की और इस दिन हस्तिनापुर में राजा श्रेयांस ने उन्हें इक्षु रस (गन्ने का रस) पिलाकर उनका पारणा (उपवास खोलना) कराया। यह घटना जैन समुदाय में 'वर्षी तप' के रूप में जानी जाती है। इस दिन जैन तीर्थ पालिताणा (गुजरात) और हस्तिनापुर (मेरठ) में विशेष आयोजन होते है। जैन धर्म के अनुयायी उपवास, दान, और पूजा करते हैं। कई जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किए जाते हैं, और भक्त इक्षु रस का दान करते हैं।

अक्षय तृतीया का दिन शुभ कार्यों के लिए अत्यंत मंगलकारी माना जाता है। इस दिन बिना किसी मुहूर्त के विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, नए व्यवसाय की शुरुआत, और अन्य महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन शुरू किए गए कार्यों का फल स्थायी और शुभ होता है। भारत के कई हिस्सों में, विशेषकर राजस्थान, गुजरात, और उत्तर प्रदेश में, अक्षय तृतीया को विवाह के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है। इस दिन हजारों जोड़े विवाह बंधन में बंधते हैं। सामाजिक स्तर पर, यह दिन परिवारों और समुदायों को एकजुट करने का अवसर प्रदान करता है।

व्यापारी वर्ग के लिए अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है। इस दिन नए व्यवसाय की शुरुआत, दुकान का उद्घाटन, और निवेश जैसे कार्य किए जाते हैं। सोने और चाँदी की खरीदारी भी इस दिन बहुत लोकप्रिय है, क्योंकि यह धन-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अक्षय तृतीया को दान-पुण्य का विशेष महत्व है। इस दिन जल, अन्न, वस्त्र, और धन का दान करने की परम्परा है। सामाजिक दृष्टिकोण से, यह दिन समाज में समानता और सहायता की भावना को बढ़ावा देता है। गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएँ दान की जाती हैं।

अक्षय तृतीया भारतीय संस्कृति का एक ऐसा पर्व है, जो धार्मिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह दिन न केवल भक्ति और पूजा का अवसर प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक एकता, परोपकार, और शुभ कार्यों की शुरुआत का प्रतीक भी है। हिन्दू, जैन, और अन्य समुदायों में इस पर्व का अलग-अलग रूपों में उत्सव मनाया जाता है, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है। चाहे वह भगवान परशुराम की पूजा हो, सुदामा-कृष्ण की मित्रता का स्मरण हो, या जैन धर्म में वर्षी तप का आयोजन, अक्षय तृतीया हर रूप में अक्षय फलदायी है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि सच्चे मन से किए गए कार्य और दान कभी नष्ट नहीं होते, बल्कि वे हमारे जीवन को समृद्ध और सार्थक बनाते हैं।

बोध कथा

परमात्मा की आवाज

एक व्यक्ति को रास्ते में यमराज मिल गए वो व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं सका। यमराज ने पीने के लिए पानी मांगा उस व्यक्ति ने उन्हें पानी पिलाया। पानी पीने के बाद यमराज ने बताया कि वो उसके प्राण लेने आए हैं लेकिन चूँकि तुमने मेरी प्यास बुझाई है इसलिए मैं तुम्हें अपनी किस्मत बदलने का एक मौका देता हूं। यह कहकर यमराज ने उसे एक डायरी देकर कहा तुम्हारे पास 5 मिनट का समय है। इसमें तुम जो भी लिखोगे वही होगा, लेकिन ध्यान रहे केवल 5 मिनट। उस व्यक्ति ने डायरी खोलकर देखा तो पहले पेज पर लिखा था कि उसके पड़ोसी की लॉटरी निकलने वाली है और वह करोड़पति बनने वाला है। उसने वहां लिख दिया कि पड़ोसी की लॉटरी न निकले। अगले पेज पर लिखा था उसका एक दोस्त चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है उसने लिख दिया कि वह चुनाव हार जाए। इसी तरह वह पेज पलटता रहा और अंत में उसे अपना पेज दिखाई दिया। जैसे ही उसने कुछ लिखने के लिए अपना पैन उठाया यमराज ने उसके हाथों से डायरी ले ली और कहा वत्स! तुम्हारा 5 मिनट का समय पूरा हुआ, अब कुछ नहीं हो सकता। तुमने अपना पूरा समय दूसरों का बुरा करने में निकाल दिया और अपना जीवन खतरे में डाल दिया। अतः तुम्हारा अन्त निश्चित है। यह सुनकर वह व्यक्ति बहुत पछताया लेकिन सुनहरा समय निकल चुका था। अब उसके पास सिवाए पछतावे के अलावा कुछ नहीं था। यही स्थिति आज समाज में ज्यादातर लोगों की है। आज दुख का कारण यही है कि व्यक्ति अपने अवगुणों, बुराइयों, कमी-कमजोरियों को देखने के बजाय दूसरों के अवगुणों को देखने में ही लगा रहता है। ऐसा व्यक्ति अपने जीवन के परम लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता है। इसलिए जितना हो सके अपना समय परमात्मा के ध्यान, परमात्म ज्ञान को जीवन में उतारने और खुद को महान, श्रेष्ठ बनाने में लगाएं। सदा अपना निरीक्षण करते हैं और कमियों को दूर करते रहें।

नजरिया

पहलगाम के आगे

अवधेश कुमार
मोबाइल : 9811027208

पहलगाम हमले के बाद संपूर्ण देश का सामूहिक मानस, वैसी कार्रवाई, प्रतिरोध और प्रतिशोध का है जिससे भारत को दोबारा ऐसी भयानक घटना का सामना न करना पड़े। यह स्वाभाविक है। एक समय जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम थी और तब भी लोगों के अंदर क्रोध पैदा होता था लेकिन आम मानस यह था कि इसे रोकना अभी संभव नहीं। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने के बाद माहौल बदला, आतंकवादी घटनाओं में व्यापक कमी आई है, कश्मीर घाटी भी धीरे-धीरे आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक गतिविधियों में देश के सामान्य राज्य की तरह काफी हद तक पटरी पर लौटा है। ऐसे माहौल में हिंदू होने के कारण 26 हिंदुओं तथा एक गैर मुस्लिम का उनका विरोध करने के कारण हत्या के बाद उबाल स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने भी आंतरिक और सीमा पार आतंकवाद के समूल नाश का सक्रिय संकल्प दिखाया है। मोदी सरकार ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक तथा 2018 में पुलवामा हमले के बाद बालाकोट हवाई बमबारी जैसी भारत की दृष्टि से अकल्पनीय माने जाने वाली कार्रवाई करके देश का विश्वास प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री ने 24 अप्रैल को बिहार के मधुबनी की आमसभा में केवल आतंकवादी के साथ उने सरपरस्तों के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई की घोषणा की जिसकी कल्पना नहीं की गई होगी। बिहार की भूमि पर उन्होंने कुछ मिनट अंग्रेजी में भाषण दिया जो विश्व के लिए संदेश था कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत कमर कस चुका है और कार्रवाई करेगा। इस भाषण से दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया गया और इसका असर भी है ।

कोई देश सार्वजनिक संकल्प दिखाते हुए समानांतर कदम उठाता है और उसकी पृष्ठभूमि आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की हो चुकी है तो विश्व समुदाय को भी सोच और व्यवहार को उसके अनुरूप बदलना पड़ता है। पाकिस्तान के साथ एक देश नहीं खड़ा है। वे मुस्लिम देश, जो सामान्यतः जम्मू कश्मीर पर इस्लामिक सम्मेलन संगठन या ओआईसी में उसका साथ देते थे, हिम्मत नहीं दिखा रहे। अमेरिकी विदेश विभाग की ब्रीफिंग में एक पाकिस्तानी पत्रकार के प्रश्न की विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने हिकारत के भाव से उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस पर भारत के साथ हैं। सच है कि काश पटेल के नेतृत्व में अमेरिका की एफबीआई तथा तुलसी गवार्ड के निर्देशन में नेशनल इंटेलिजेंस आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में भारत के साथ खड़ा है। यूरोपीय देशो ने स्पष्ट रूप से भारत का समर्थन किया है। पाकिस्तान ने यद्यपि इस्लामाबाद में 26 देश के राजनयिकों को बुलाकर अपनी दृष्टि से ब्रीफिंग की किंतु कोई उससे प्रभावित है ऐसा लगता नहीं। प्रश्न है कि भारत क्या कर सकता है, क्या करेगा और कैसी संभावनाएं हैं?

घटना के दूसरे दिन गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू कश्मीर से लौटने के बाद मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने तत्काल प्रभाव से पाकिस्तानियों को दिये हर तरह का वीजा रद्द करने, उन्हें देश छोड़ने, पाकिस्तानी उच्चायोग से रक्षा और सैनिक विभाग के अपने समकक्षों को इस्लामाबाद से बुलाने तथा संख्या कम करने का अदम उठाया। इसके साथ सिंधु जल संधि स्थगित करने का अभूतपूर्व कदम उठाया। पाकिस्तान ने इसकी प्रतिक्रिया में सीनेट में प्रस्ताव पारित किया तथा आतंकवादी घटना से स्वयं को अलग करते हुए भारत पर ही बदनाम करने का आरोप लगाया। पाकिस्तान का वक्तव्य है कि सिंधु जल समझौते को रद्द करना युद्ध जैसा कदम है। उसने 1972 के शिमला समझौता को समाप्त करने की धमकी दी। पाकिस्तान की दुर्दशा देखिए कि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्काई न्यूज़ को दिए साक्षात्कार में आतंकी संगठनों के वित्त पोषण , प्रशिक्षण और समर्थन के इतिहास संबंधी प्रश्न पर स्वीकार किया कि हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए ऐसा करते रहे हैं और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। हम अगर सोवियत संघ के खिलाफ अफगानिस्तान युद्ध या 9/11 में साथ नहीं होते तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड साफ रहता। यह भी वास्तविक सच को इस मायने में झूठलाना है क्योंकि स्थिति का लाभ उठाते हुए जम्मू कश्मीर में आतंकवाद पाकिस्तान ने अपनी ओर से प्रायोजित किया और उसका पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जो एक हद तक अभी भी कायम है। विश्व के प्रमुख देशों की सूचना में ये सारी बातें हैं। इसलिए भारत ने जब 2018 में हवाई बमबाड़ी की तो एक भी देश ने उसका विरोध नहीं किया। उस समय भी डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के और व्लादिमीर पुतिन रूस के राष्ट्रपति थे।

देश में पाकिस्तान के विरुद्ध सैनिक कार्रवाई या युद्ध का माहौल बना हुआ है। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई बमबारी किया जा चुका है तथा इसके प्रभाव भी पड़े। स्वाभाविक ही इससे बड़ी कार्रवाई की स्थिति सामने है। तो आगे क्या? जम्मू कश्मीर के लिए आंतरिक और बाह्य दोनों स्तरों पर कार्रवाई की आवश्यकता थी जो हो रही है। भारत ने आंतरिक रूप से पहलगाम हमले के एक आतंकवादी सहित सहयोग करने वाले संलिप्त नौ लोगों का घर ध्वस्त कर दिया गया। यह आतंकवादियों को सीधा संदेश है कि भारत बदल चुका है। जम्मू कश्मीर के संदर्भ में न केवल भारत बदला है बल्कि जम्मू कश्मीर तथा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य भी बदल है। यह पहली बार है जब आतंकवादी घटना के विरुद्ध कम या ज्यादा संख्या में संपूर्ण जम्मू कश्मीर से लोग सड़कों पर आए हैं, कैंडल मार्च और छोटे-मोटे धरना प्रदर्शन हो रहे हैं। यह सब गृह मंत्री अमित शाह के कश्मीर दौरे के बाद ही आरंभ हुआ। अमित शाह के साथ बैठक में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी उपस्थित थे। उसके बाद नेशनल कांफ्रेंस ने पहली बार जिले - जिले में विरोध प्रदर्शन किया और महबूबा मुफ्ती जैसी आतंकवाद की समर्थक और पाकिस्तान के प्रति नरम रुख वालीको भी सड़क पर उतरना पड़ा। कश्मीर में जहां आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा कार्रवाई के विरुद्ध नारे लगाते थे, पत्थरबाजी होती थी और आतंकवादियों के निकल भागने का रास्ता तैयार किया जाता था उसके विपरीत ये दृश्य बदलाव के संदेश हैं।

थोड़ी गहराई से विचार करें तो निष्कर्ष आएगा कि सीमा पार सैन्य कार्रवाई को छोड़कर जितने कदम उठाए जा सकते थे लगभग भारत ने उठा लिया है। इसका अर्थ है कि भारत समग्रता में दीर्घकालिक समाधान की दृष्टि से बहुपक्षीय कार्रवाई की ओर अग्रसर है। सिंधु जल संधि पर भारत ने 25 अप्रैल को स्पष्ट किया कि वह एक-एक बूंद पानी रोकेगा और उसके लिए तात्कालीक , मध्यवर्ती और दीर्घकालिक उपाय के संकेत दिए गए। यह काफी हद तक संभव है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का पहला दौरा हुआ जहां उन्होंने दो प्रमुख सैन्य मुख्यालयों विक्टर फोर्स और चिनार कोड में वरिष्ठ कमांडरों से बातचीत की तथा नियंत्रण रेखा पर सीमा पार से हुई गोलीबारी को भी समझा। पहले सेना अध्यक्ष और उसके बाद के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले। सैन्य कार्रवाई या युद्ध के पहले तैयारी करनी होती है। सेना को लक्ष्य दिया जाता है और उसके अनुरूप रणनीति बनाते हुए संघर्ष करती है। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में जैसा बाद में जनरल मानेक शा ने बताया था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें मई-जून में सैन्य कार्रवाई के लिए कहा। मानेक शा ने तैयारी के लिए लगभग 6 महीने का समय लिया और दिसंबर में भारत ने सैन्य हस्तक्षेप किया।

यह समझना होगा कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर ने 17 अप्रैल के अपने भाषण में न केवल पाकिस्तान सेना, वहां के सुरक्षा बल और आतंकवादी बल्कि आम मुसलमान को भी जेहाद के लिए पूरी तरह उकसाया है। ये सच मायने नहीं रखने कि आसिफ मुनीर सेना में अपने विरुद्ध असंतोष, इमरान खान की पार्टी को नियंत्रित करने, अफगानिस्तान के साथ तनाव का सफलतापूर्वक सामना करने एवं देश के अंदर सेना पर भ्रष्टाचार , काहिली, विफलता और अय्याशी के लग रहे आरोपों का खंडन करने में विफल साबित हुए हैं। आतंकवाद के हथियार से संघर्ष करने के लिए राजनीतिक - आर्थिक स्थिरता तथा शक्तिशाली होना आवश्यक नहीं। पाकिस्तान की विचारधारा से जुड़े मुसलमानों के एक समूह के अंदर भी जम्मू कश्मीर को इस्लामी जेहाद का भाग बनाने की भावना पैदा है तो उससे केवल परंपरागत सैन्य कार्रवाई से पूरी तरह नहीं निपटा जा सकता। पाकिस्तान ने न्यूक्लियर हथियार का हवाला दिया है। मोदी सरकार की पहले की दो कार्रवाइयों से पाकिस्तान की न्यूक्लियर धमकी की हवा निकाल चुकी है। तो निश्चित मानिए पाकिस्तान के विरुद्ध बहुपक्षीय निर्णायक कार्रवाई शुरू हो गई है। लेकिन अपने देश के अंदर प्रभावी इकोसिस्टम अभी से सरकार ही नहीं संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के विरुद्ध नैरेटिव खड़ा करने में लगा है उसका भी प्रभावी रूप से सामना करना होगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर शुरू करने के लिए तैयारियां जारी : चीन

बीजिंग/भाषा। चीन के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि गर्मी के इस मौसम में भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर आरंभ करने के लिए दोनों देशों के बीच तैयारियां चल रही हैं। करीब पांच साल के अंतराल के बाद यह यात्रा फिर शुरू की जाएगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि चीन के तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र में कैलाश पर्वत और मानसरोवर की भारतीय श्रद्धालुओं की तीर्थयात्रा दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

चीन और भारत के बीच बनी सहमति के अनुरूप, गर्मी के इस मौसम में तीर्थयात्रा फिर शुरू की जाएगी। गुओ ने कहा कि दोनों पक्ष इस समय जरूरी तैयारियां करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष चीन-भारत राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को आगे बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों के सुदृढ़ और स्थिर विकास को बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि यह यात्रा जून से अगस्त तक दो मार्गों – उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रा और सिक्किम में नाथू ला – के रास्ते होगी। यह तीर्थयात्रा हिंदुओं के साथ-साथ जैन और बौद्धों के लिए भी धार्मिक महत्व रखती है। विदेश मंत्रालय ने 26 अप्रैल को जारी बयान में कहा कि इस वर्ष, उत्तराखंड राज्य से लिपुलेख दर्रे और सिक्किम राज्य से नाथू ला दर्रे को पार करते हुए क्रमश: पांच जत्थों और 10 जत्थों (प्रत्येक में 50 श्रद्धालु) में तीर्थयात्री यात्रा करेंगे। कोविड-19 महामारी और उसके बाद पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर दोनों पक्षों के बीच सैन्य गतिरोध के कारण 2020 में यात्रा स्थगित कर दी गई थी। भारत और चीन ने पिछले साल 21 अक्टूबर को हुए एक समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग में टकराव वाले दो स्थानों से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली थी।

इसके बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने रूसी शहर कजान में वार्ता की तथा विभिन्न द्विपक्षीय वार्ता तंत्रों को बहाल करने पर सहमति व्यक्त की। मोदी और शी की वार्ता के बाद पिछले कुछ महीनों में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के उद्देश्य से कई बैठकें कीं।

रैली

भारतीय समुदाय के सदस्य पेरिस में एफिल टॉवर के सामने पाकिस्तान और पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ विरोध रैली निकाली।

बीएसएफ कश्मीर ने दुबे के सम्मान में किया 'ग्राउंड जीरो' का प्रीमियर

कश्मीर/एजेन्सी

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्म 'ग्राउंड ज़ीरो' का खास प्रीमियर बीएसएफ के रिटायर्ड डीआईजी नरेंद्र नाथ धर दुबे को सम्मान देने के लिये आयोजित किया। सच्ची घटना पर बनी फिल्म ग्राउंड जीरो में बीएसएफ के पिछले 50 सालों की सबसे बड़ी ऑपरेशन की कहानी दिखाई गई है। यह फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों मे रिलीज हुयी है। इस बीच बीएसएफ कश्मीर ने इस फिल्म का एक खास प्रीमियर नरेंद्र नाथ धर दुबे के लिये रखा। बीएसएफ कश्मीर ने सोशल मीडिया पर इवेंट की कुछ झलकियां शेयर करते हुए लिखा, शौर्य और बलिदान को सलाम, बीएसएफ कश्मीर ने असली हीरो श्री एन एन डी दुबे (रिटायर्ड डीआईजी) के साथ 'ग्राउंड जीरो' का खास प्रीमियर होस्ट किया। अफसरों, एसओज़, जवानों और उनके परिवारों ने इसमें शिरकत की।

ये बहादुरी का जश्न मनाने वाला गर्व भरा पल था। एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की फिल्म ग्राउंड ज़ीरो, को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का निर्देशन तेजस देवस्कर ने किया है। वहीं, कासिम जगमगिया, विशाल रामचंदानी, संदीप सी सिधवानी, अर्हन बगाटी, टैलिसमैन फिल्म्स, अभिषेक कुमार और निशिकांत रॉय फिल्म के को-प्रोड्यूसर्स हैं। फिल्म ग्राउंड जीरो में इमरान हाशमी एक दमदार नए अवतार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे का किरदार निभाया है।

चीन ने पहलगाम हमले की 'शीघ्र और निष्पक्ष जांच' का आह्वान किया, पाक की संप्रभुता का समर्थन किया

बीजिंग/भाषा। चीन ने सोमवार को कहा कि वह भारत एवं पाकिस्तान के बीच वर्तमान स्थिति को सामान्य करने के लिए पहलगाम आतंकवादी हमले की ''त्वरित एवं निष्पक्ष जांच'' समेत सभी उपायों का स्वागत करता है। हालांकि उसने अपने सदाबहार मित्र देश पाकिस्तान की संप्रभुता एवं सुरक्षा हितों की रक्षा करने में उसका समर्थन किया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां प्रेस वार्ता में कहा, ''चीन मौजूदा स्थिति को शांत करने में मददगार सभी उपायों का स्वागत करता है तथा शीघ्र ही निष्पक्ष एवं न्यायसंगत जांच का समर्थन करता है।'' हालांकि, उन्होंने इस सवाल का सीधा जवाब देने से परहेज किया कि क्या चीन इस जांच में हिस्सा लेगा जैसा कि रूसी मीडिया ने खबर दी कि पाकिस्तान चाहता है कि चीन और रूस पहलगाम हमले की जांच का हिस्सा बनें। उन्होंने किसी भी जांच की निष्पक्षता और विश्वसनीयता के बारे में पूछे गए एक अन्य प्रश्न को भी टाल दिया, क्योंकि पाकिस्तान पर जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से आतंकवाद को प्रायोजित करने के आरोप हैं।

साइबर हमलों में एआई का इस्तेमाल बढ़ा, सुरक्षा रणनीति पर पुनर्विचार जरूरी : कैस्परस्की

सिंगापुर/भाषा। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ यूजीन कैस्परस्की ने आगाह किया है कि साइबर अपराधी कृत्रिम मेधा (एआई) की क्षमताओं का इतना तेजी से इस्तेमाल कर रहे हैं कि साइबर सुरक्षा में लगे लोग उनसे पीछे रह जा रहे हैं। इसके साथ ही कैस्परस्की ने डिजिटल सुरक्षा रणनीतियों पर मौलिक रूप से पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कैस्परस्की के संस्थापक यूजीन कैस्परस्की ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा कि साइबर अपराधी न केवल हमलों को स्वचालित करने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं, बल्कि अभूतपूर्व सहयोग और तत्परता दिखाते हुए बचाव करने वालों से आगे निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीपफेक और एआई-संचालित सोशल इंजीनियरिंग अब इतने उन्नत हो गए हैं कि किसी भी कॉलर पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने कहा, एआई बुरे लोगों के हाथों में है। और असलियत यह है कि वे इसका अधिक से अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। कैस्परस्की ने वर्तमान समय को 'साइबर विध्वंस का युग' बताते हुए कहा कि भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे पर हमले अब रोजमर्रा की बात हैं। उन्होंने कहा, यह भविष्य की बात नहीं है, असलियत है। साइबर विध्वंस और आतंकवाद अब नियमित रूप से महत्वपूर्ण प्रणालियों को पंगु बना रहे हैं या नष्ट कर रहे हैं और ये घटनाएं शायद ही सुर्खियां बनती हैं। कैस्परस्की ने भू-राजनीतिक विभाजन के कारण साइबर जगत के खंडित होने और साइबर अपराध के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग में बाधा आने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, साइबर जगत में कोई सीमा नहीं है। इसलिए, दुर्भाग्य से, बुरे लोग कहीं भी, किसी भी पीड़ित पर हमला करने के लिए स्वतंत्र महसूस करते हैं... कई देशों के बीच अब कोई सहयोग नहीं है। दुर्भाग्य से यही हकीकत है।

कैस्परस्की ने कहा कि पेशेवर हैकर परिष्कृत हमलावर कोड विकसित करने और हमलों को अनुकूलित करने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, साइबर सुरक्षा कंपनियां ग्राहकों की सुरक्षा के लिए एआई का इस्तेमाल विसंगतियों का पता लगाने और फर्जी कोड के विश्लेषण में कर रही हैं। ऐसे में चुनौती लगातार विरोधियों से आगे रहने की है। कैस्परस्की ने साइबर हमले से बचाव करने वालों को नए मानक अपनाने, लचीलेपन को प्राथमिकता देने और एआई-संचालित हमलों के लिए तैयार रहने का सुझाव दिया। उन्होंने आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के बढ़ते महत्व पर भी जोर दिया, क्योंकि हमलावर इनका तेजी से शोषण कर रहे हैं।

अभिनेत्री मौनी रॉय सोमवार को मुंबई के हवाई अड्डे पर पहुँचीं।

'सुस्वागतम खुशामदीद' का नया गया 'बन पिया' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फ पुलकित सम्राट पिछले काफी समय से अपनी अपकमिंग फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसमें उनकी जोड़ी कैटरीना कैफ की छोटी बहन इसाबेल कैफ के साथ बनी है। फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्सुक हैं। उत्सुकता के लेवल को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'बन पिया' रिलीज कर दिया है। गाना काफी शानदार है, फैंस इस गाने को काफी पसंद कर रहे हैं। नए गाने 'बन पिया' में अरमान मलिक, ध्वनि भानुशाली, अमोल श्रीवास्तव और अभिषेक टैलेंटेड ने अपनी आवाज दी है। वहीं म्यूजिक अमोल-अभिषेक की जोड़ी ने तैयार किया है। गाने में हल्की-फुल्की त्योहारों जैसी फीलिंग है, जो सीधा दिल को छू जाएगी। इस गाने को गणेश आचार्य ने कोरियोग्राफ किया है। गाना एनर्जी और मस्ती से भरपूर है। गाने में पुलकित सम्राट और इसाबेल कैफ की केमिस्ट्री साफ देखने को मिल रही है। उनका मस्ती भरा अंदाज फिल्म के 'सीमाओं से परे प्यार' के थीम को खूबसूरती से दर्शाता है।

गाने के बारे में बात करते हुए, डायरेक्टर धीरज कुमारन ने कहा, ''यह सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि फिल्म की भावना है। पुलकित और इसाबेल गाने में पॉजिटिव एनर्जी और फ्रेशनेस लेकर आए हैं। हमने गाने को इस तरह से शूट किया है, ताकि यह ऐसा लगे जैसे अलग-अलग संस्कृतियां एक साथ मिलकर जश्न मना रही हों। यह गाना फिल्म की जान है।''

वहीं कोरियोग्राफर गणेश आचार्य ने कहा, ''गाने को कोरियोग्राफ करना, डांस स्टेप्स बनाना काफी मजेदार अनुभव रहा। मेरा मकसद था कि डांस भी गाने की तरह ही त्योहार जैसा जोशीला और एनर्जी भरा महसूस हो। पुलकित और इसाबेल की केमिस्ट्री ने ऐसा ही कर दिखाया। उनका आपसी तालमेल कमाल का था। गाने को बहुत बड़े लेवल पर शूट किया गया ताकि फिल्म के जश्न वाले माहौल को अच्छे से दिखाया जा सके। 'सुस्वागतम खुशामदीद' का निर्माण शरवन कुमार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, धीरज कुमार, दीपक धर, अजान अली और सुनील राव ने मिलकर किया है। इस फिल्म के जरिए इसाबेल बॉलीवुड में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू कर रही हैं। गाने से पहले फिल्म का टीजर जारी किया गया था।

फिल्म में पुलकित हिंदू लड़के अमन का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, इसाबेल मुस्लिम लड़की नूर के किरदार में हैं। पुलकित और इसाबेल के अलावा फिल्म में साहिल वैद, प्रियंका सिंह, दिवंगत ऋतुराज सिंह, मेघना मलिक और अरुण बाली जैसे बेहतरीन कलाकार अहम किरदार में होंगे। यह फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

जांच

अमृतसर के पास सुरक्षा जांच के दौरान अटारी-वाघा सीमा पर एकीकृत चेक पोस्ट पर पाकिस्तानी नागरिकों के पासपोर्ट की जांच करता एक बीएसएफ कर्मी।

दुनिया भर में बढ़ रही भारतीय सिनेमा की लोकप्रियता : नानी

मुंबई/एजेन्सी

साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के सफल अभिनेता नानी अपनी अपकमिंग फिल्म 'हिट: द थर्ड केस' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में भारतीय सिनेमा की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। अभिनेता ने दुनिया भर में बढ़ते भारतीय सिनेमा के प्रभुत्व के बारे में बात करते हुए कहा, हम अभी उस जनरेशन में हैं और इन सब के कारण, हमारे देश में शानदार फिल्में आ रही हैं। 'आरआरआर' ऑस्कर में गई और इस तरह की अन्य फिल्मों को भी काफी पसंद किया गया। मुझे लगता है कि यह हम सभी के लिए बड़ा सोचने, बड़े सपने देखने, बड़ी कल्पना करने और हर चीज के स्वागत करने का समय है।

उन्होंने आगे कहा, यह पॉजिटिव बात है और मुझे उन फिल्मों पर गर्व है, जो रिलीज हो चुकी हैं। मैं उन सभी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, जो जल्द ही रिलीज होने वाली हैं। इसके साथ ही अभिनेता ने सोशल मीडिया के सिनेमा पर पड़ने वाले असर पर भी खुलकर बात की। नानी ने बताया, हम ऐसे युग में हैं, जहां एक अच्छी फिल्म बनाने के बाद लोगों तक उसकी बात पहुंचाने के लिए ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता। हमारे पास सोशल मीडिया है, हमारे पास लोगों तक पहुंचने के लिए कई तरह के साधन हैं। अगर देश के एक कोने में कोई अच्छी फिल्म आती है, तो देश के दूसरे कोने में दो दिन में ही इसकी जानकारी पहुंच जाती है।

नानी फिल्म में एक सख्त पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, जिसका नाम अर्जुन सरकार है। सैलेश कोलानू के निर्देशन में बनी फिल्म का निर्माण प्रशांति टिपिरनेनी ने किया है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी के साथ अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं।

अंगद बेदी को मिला एक्सरसाइज के लिए नया साथी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अंगद बेदी घर पर योग सीजन का आनंद लेते दिखाई दिए। सोशल मीडिया पर शेयर लेटेस्ट वीडियो में उनके साथ नया साथी भी नजर आया। वह अपनी लाडली मेहर के साथ एक्सरसाइज करते नजर आए। सोशल मीडिया पर शेयर प्यारे वीडियो पर उनके फैंस के साथ फिल्म जगत के सितारे भी प्यार लुटाते नजर आए। इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किए गए वीडियो में वे योगासन करते नजर आए, जबकि नन्हीं मेहर उन्हें फॉलो करती दिखी। एक्सरसाइज पार्टनर के रूप में पिता और बेटी की जोड़ी बेहद प्यारी लग रही है। अंगद ने अपने फैंस से आग्रह करते हुए कहा कि यदि उनके हाथ और पैर ठीक से काम कर रहे हैं तो उन्हें आभारी होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने परिवार के साथ समय बिताने की भी बात कही। लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, हाथ-पैर चल रहे हैं तो खुश रहो, सुखी रहो। लड़ाई से केवल दुश्मनी ही जीतती है। परिवार के साथ समय बिताएं और सुखद यादें बनाएं। सब कुछ यहीं रह जाएगा, कहां ले जाओगे।

अंगद की पत्नी, अभिनेत्री नेहा धूपिया ने पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, पापा की बेबी डॉल। सबा पटौदी ने लाल दिल वाले इमोजी के साथ अपने जज्बात व्यक्त किए। बता दें कि अंगद और नेहा ने मई 2018 में शादी की थी। अंगद की पहली मुलाकात नेहा से जिम में उस समय हुई थी जब वह दिल्ली में अंडर-19 खेल रहे थे और नेहा मिस इंडिया पेजेंट की तैयारी कर रही थीं। दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर दोनों ने लंबे समय तक एक-दूजे के साथ रहने के बाद शादी कर ली। जोड़े को दो बच्चे हैं। बेटी का नाम मेहर और बेटे का नाम गुरिक है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अंगद पिछली बार टॉलीवुड फिल्म 'हाय नन्ना' में नेचुरल स्टार नानी और अभिनेत्री मृणाल ठाकुर के साथ नजर आए थे।

केजीएफ में 'शोपीस' बनने से कोई गुरेज नहीं, ये फिल्म मेरा सपना थी : श्रीनिधि शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण फिल्मों की अदाकारा श्रीनिधि शेट्टी का कहना है कि उन्हें 2018 में आई उनकी पहली फिल्म 'केजीएफ: चैप्टर 1' में 'शोपीस' कहलाने से कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि उन्हें शुरू से ही सुपरहिट कन्नड़ फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में पता था। प्रशांत नील द्वारा निर्देशित 'केजीएफ' फिल्म में श्रीनिधि ने मुख्य अभिनेता यश (विशाल रॉकी) के विपरीत जिद्दी रीना देसाई की भूमिका निभाई थी। फिल्म का निर्माण 'होम्बले फिल्म्स' ने किया था। श्रीनिधि शेट्टी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में बताया, मुझे 'केजीएफ' में 'शोपीस' बनने में कोई दिक्कत नहीं थी, क्योंकि जब इस फिल्म की कहानी मेरे पास आई तो यह मेरे लिए एक सपने की तरह थी। जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे पता था कि मेरी भूमिका केवल इतनी ही है, लेकिन मैं इसे करना चाहती थी, मैं चाहती था कि मेरी पहली फिल्म ऐसी हो। लेकिन फिर से, यह एक व्यक्तिगत पसंद है। कुछ लोग 'शोपीस' बनना पसंद करेंगे, कुछ लोग नहीं। उन्होंने कहा, अब, अगर आप मुझसे पूछें, क्या आप अगली कुछ फिल्मों में 'शोपीस' बनना चाहेंगी? मैं अपना समय लूंगी और सोचूंगी कि मैं चाहती हूं या नहीं। मैं देखूंगी कि कौन (फिल्म) कर रहा है, 'शोपीस' कितना (महत्वपूर्ण) है। पहली वाली मेरी पसंदीदा थी। लेकिन, इसमें कुछ भी बुरा, सही, गलत आदि नहीं है। यह ठीक है, इसकी तुलना नहीं की जा सकती। श्रीनिधि (32) ने अपनी लोकप्रियता का श्रेय 'केजीएफ' फिल्मों को दिया। उन्होंने कहा, मुझे जितनी प्रसिद्धि या प्यार मिला है, वह 'केजीएफ' की वजह से है, इसमें कोई दो राय नहीं है।

मौनी रॉय को किया गया सम्मानित

कोलकाता/एजेन्सी

प्राइड ऑफ बंगाल अवॉर्ड्स भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल और यंग लीडर्स फोरम द्वारा आयोजित एक प्रतिष्ठित पहल है, जो बंगाल की उत्कृष्टता की समृद्ध विरासत को सम्मानित करती है। यह विशिष्ट कार्यक्रम उन उल्लेखनीय व्यक्तियों को पहचान और सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है, जिन्होंने रक्षा, शिक्षा, व्यापार, मीडिया, खेल, खाद्य, फैशन, कला और सामाजिक सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपनी स्थापना के बाद से, इस पुरस्कार ने उन लोगों को सम्मानित किया है जिन्होंने न केवल अपने संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर एक अमिट छाप छोड़ी है, जिससे उनकी बंगाली विरासत को गौरव और मान्यता मिली है। सबसे हालिया समारोह 26 अप्रैल को 'सिटी ऑफ जॉय' कहे जाने वाले कोलकाता में आयोजित हुआ, जिसमें 13 विभिन्न श्रेणियों में उल्लेखनीय व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।

इस समारोह की भव्यता तब और बढ़ गई जब अभिनेत्री मौनी रॉय को उनके सिनेमा जगत में निरंतर योगदान और उपलब्धियों के लिए 'सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्री' के पुरस्कार से नवाज़ा गया। सफेद और सुनहरे रंग की साड़ी में बेहद आकर्षक दिख रहीं मौनी ने इस सम्मान के लिए आयोजकों और दर्शकों का विनम्रतापूर्वक आभार व्यक्त किया। इस भव्य समारोह में मौनी रॉय के अलावा राहुल बोस, ममता शंकर, लीज़ा रे, सब्यसाची, नायरा बनर्जी, प्रीतम दा, अश किंग, इंद्रनील सेनगुप्ता, दिव्येंदु भट्टाचार्य और तिलोत्तमा शोमे सहित कई प्रसिद्ध हस्तियां भी शामिल हुईं।

एक महत्वाकांक्षी प्रयास के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम आज कोलकाता का एक बहुप्रतीक्षित वार्षिक आयोजन बन चुका है। इसका पहला संस्करण ही अपार सफलता और व्यापक मीडिया कवरेज के साथ संपन्न हुआ था। 'टी2' के सहयोग से प्रस्तुत 'प्राइड ऑफ बंगाल अवॉर्ड्स' ने लगातार अपनी प्रतिष्ठा और महत्व को बढ़ाया है। यह मंच न केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों का उत्सव मनाता है, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति और वैश्विक उत्कृष्टता में बंगाल के निरंतर योगदान को भी रेखांकित करता है। इन पुरस्कारों के माध्यम से आयोजकों ने एक ऐसी प्रेरणादायी परंपरा की नींव रखी है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी और उन लोगों की गौरवपूर्ण यात्रा का सम्मान करती है, जिन्होंने मानव प्रयास के विभिन्न क्षेत्रों में बंगाल की प्रतिष्ठा को ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

8

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 29-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आत्मा ही कर्मों की कर्ता है आत्मा ही कर्मों का भोक्ता है। हर जीव सुख चाहता है, दुख कोई नहीं चाहता। कुछ प्राणी ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं और दूसरों का भी सुख चाहते हैं। कुछ स्वार्थी लोग ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं पर दूसरों को दुख देते हैं। पर जीव जैसा कर्म करता है उसे उसका फल जरूर प्राप्त होता है। कुछ ऐसे अच्छे व्यक्ति भी होते हैं जो दूसरों की भलाई चाहते हुए स्वयं के सुख का त्याग कर देते हैं और ऐसे व्यक्तियों का भला स्वतः ही हो जाता है।

डायनेमिक फ्रेंड्स क्लब के ललवानी बने अध्यक्ष लुंकड़ मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। डायनेमिक फ्रेंड्स क्लब (डीएफसी) की नवगठित टीम का शपथ ग्रहण कार्यक्रम रविवार शाम को वेलाचेरी में आयोजित हुआ। डीएफसी क्लब के 18वें वर्ष का नेतृत्व करने नवीन सपना ललवानी का सर्व सहमति से चुनाव कर, शुभकामनाएं दी। वर्ष 2024 की अध्यक्ष पिंकी भंडारी, मंत्री दीपक भंडारी एवं उनकी पूरी टीम को सफलतम कार्यकाल के समापन की बधाइयां दी गई।

नवमनोनीत अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल के मंत्री विनोद पिंकी लुंकड़, कोषाध्यक्ष रोहित प्रीति खेतपालिया, उपाध्यक्ष जितेंद्र साधना टाटिया एवं इस शपथ ग्रहण के डायरेक्टर्स अरविंद संतोष बागरेचा, विशाल राखी चोरडिया और अन्य समस्त डायरेक्टर्स के साथ शपथ ग्रहण की। रंगारंग कार्यक्रमों द्वारा सभी पदाधिकारी का परिचय कराया गया।

इस साल नए जुड़े 14 परिवारों का परिचय कराकर उनका स्वागत डीएफसी परिवार में किया गया। इस साल होने वाले महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के बारे में भी आगाज कर अवगत कराया गया। शपथ ग्रहण की पूरी टीम द्वारा बहुत ही सुंदर तरीके से इस कार्यक्रम की संयोजन की गई। डायनेमिक फ्रेंड्स चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अरविंद बागरेचा ने आगंतुकों का स्वागत किया।

ट्रस्ट बोर्ड के मंत्री विनोद लुंकड़ द्वारा ट्रस्ट में होने वाली मुख्य गतिविधि शिक्षादान के बारे में जानकारियां प्रस्तुत की गई। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष अनिल लुणावत द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए इस वर्ष के मुख्य प्रायोजक खजांची ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड ताराचंद राजेश मेहता का धन्यवाद दिया और उनके समाज के उत्थान में दिए हुए महत्वपूर्ण योगदान की भूरी भूरी प्रशंसा की।

इस अवसर पर क्लब के अन्य सदस्यों ने भी इस महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य के लिए अपना सहयोग देने की सहमति जताई।

दीक्षार्थी दिव्या भलगट का अभिनंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के नेतृत्व में दीक्षार्थी बहन दिव्या भलगट का अभिनन्दन स्वाध्याय भवन भंडारीकारपेट में हुआ। सामायिक परिवेश में उपस्थित श्रावक-श्राविका ने गुरु हस्ती चालीसा की सामूहिक स्तुति एवं नवकार मंत्र का जाप किया। श्राविका मंडल मंडल के अध्यक्ष शशि कांकरिया सचिव दीपिका बागमार फूलवंती छाजेड़ सोनल सुराणा ने मंगलाचरण व स्तुति से दीक्षार्थी बहन का स्वागत किया। वीरपुत्र-भ्राता वीरेन्द्र कांकरिया ने संयम चालीसा स्तुति मांगे।

स्वाध्याय संघ जोधपुर के सहसंयोजक नवरत्नमल बागमार, कुशल वक्ता मशैल कर्णावत, स्वाध्यायी विनोद जैन युवा परिषद तमिलनाडु की शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल और राष्ट्रीय श्रावक संघ के पूर्व अध्यक्ष श्री पी एस सारा सुराणा ने अलग-अलग उदारण रखे हुए हैं संयम के महत्व की घोषणा। दीक्षार्थी के वीरमाता सुनीता भालगट और वीरबहन दीपा कटारिया के संघ के और से साधू शल्यार्पण चुंदडी से स्वागत अभिनन्दन श्रावस्ती ने किया। श्रावक संघ की ओर से दीक्षार्थी बहन दिव्या भालगट की खोल भराई पी एस सुराणा प्रकाशचंद ओस्तवाल व गणपतराज बागमार ने की। दीक्षार्थी दिव्या भलगट ने गुरुदेव आचार्य भावी आचार्य एवं शिक्षा प्रदाति गुरुणी के उपाख्यान एवं संयम का विस्तार महत्वपूर्ण रूप से लिखा है, जिसमें सभी इस मार्ग का लक्ष्य बनाते हैं। अभिनन्दन कार्यक्रम का संचालन संघ के मंत्री अनोपचंद बागमार ने किया।

अभिनन्दन कार्यक्रम में श्रावक संघ के पुजारी अम्बालाल जैन कर्णावत आर नरेन्द्र आर वीरेन्द्र वी निखिल कांकरिया, बाबूधनपतराज अभय सुराणा, प्रकाशचंद संदीप ओस्तवाल, नवरत्नमल ज्ञान महावीर बागमार, नवरतनमल कमल चोरडिया, गौतमचंद मुणोत, मनीष जैन, विनोद जैन और अनेक श्रावकवादी ने दो-दो सामायिक साधना की। श्रावक संघ तमिल के वर्तमान कार्यवाहक अध्यक्ष आरएन कांकरिया ने बताया कि आचार्य पूज्यश्री हीराचंद्रजी म.सा.मुखारविंद से महासतीजी श्री ज्ञानलता म.सा. के सान्निध्य में दीक्षार्थी दिव्या भलगट की भगवती दीक्षा जैनी मंदिर में 5 जून को राजस्थान सूर्यनगरी जोधपुर में आयोजित होंगी।

चेन्नईवासियों ने किया महालक्ष्मी जनाशीर्वाद रथयात्रा का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी जन आशीर्वाद रथ यात्रा चेन्नई में अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान रविवार को अग्रबंधुों के प्रतिष्ठानों, मंदिरों में भ्रमण के उपरांत सायं चार बजे वेपरी स्थित अग्रवाल विद्यालय पहुंची जहां पर बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महाराजा अग्रसेन की नगरी अग्रोहा (हरियाणा) से अखंड ज्योत के साथ दक्षिण प्रांतों की यात्रा पर निकली रथ यात्रा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग संयोजक चांदमल अग्रवाल तथा राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। पधारे हुए अतिथियों ने रथ यात्रा के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेन की जन्म भूमि अग्रोहा में माता लक्ष्मी का एक विशाल मंदिर बनाया जा रहा है जिसके लिए पूरे देश में फैले अग्रवाल समाज के लोगों को इस बात से अवगत करवाने तथा मंदिर निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग प्राप्त करने हेतु रथ यात्रा निकाली गई है। उन्होंने बताया कि यह एक भव्य एवं विशाल मंदिर है जो संभवतः देश का सबसे बड़ा माता लक्ष्मी का मंदिर है जिसकी अनुमानित लागत पांच सौ करोड़ है। समस्त अग्रवाल समाज के लोग अपनी सामर्थ्य अनुसार आर्थिक सहयोग कर मंदिर निर्माण में अपना सहयोग दे रहे है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में इस प्रकार की अठारह रथ यात्रा निकाली गई है और इसी क्रम में हम विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद होते हुए चेन्नई की यात्रा पर पहुंचे हैं।

उन्होंने बताया कि दक्षिण के अन्य राज्यों से भक्तों ने मंदिर के प्रति अपार आस्था दिखाते हुए बृहद स्तर पर आर्थिक सहयोग किया है। उन्होंने बताया की इस रथ यात्रा का एक अन्य उद्देश्य पूरे देश के कोने कोने में फैले अग्रवाल समाज के लोगों को आपस में जोड़ना भी है उन्होंने कहा कि हम अग्रोहा को अग्रबंधूओं की एक आस्था की केंद्र के रूप में विकसित करना चाह रहे हैं ताकि हमारे आने वाली पीढ़ी इसके महत्व को समझे और भगवान अग्रसेन के बताए मार्ग पर चल कर जीवन में उन्नति को प्राप्त कर माता लक्ष्मी की कृपा का पात्र बने। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के उपरांत चढ़ावे से प्राप्त राशि का प्रयोग पिछड़े अग्र बंधुओं के बच्चों की शिक्षा. स्वास्थ्य, चिकित्सा सुविधाओं पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा प्राप्त की जा रही सहयोग राशि की एक पाई भी व्यर्थ नहीं होने पाएगी वरना मंदिर निर्माण के उपरांत सामाजिक कल्याणार्थ यह राशि समाज को वापस किया जाएगा।

कार्यक्रम में अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय गोयल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मुरारीलाल सौंथलिया, बाल गोविंद गुप्ता, हरीश कुमार लोहिया, जगदीश प्रसाद अग्रवाल, अशोक केडिया इंद्र राज बंसल, सुरेश सांघी, हरीश सांघी, कल्पना भालोठिया, मिथिलेश गुप्ता सहित अग्रवाल सभा एवं अग्रवाल समाज के अनेक पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में मेवाड़ जैन संघ के अध्यक्ष घीसूलाल हिंगड़, मंत्री गुमान बम्ब, कोषाध्यक्ष मनोज वडालमिया एवं नरेन्द्र बाबेल, पुखराज श्रीश्रीमाल, नवनीत सोनी, शिवराज सुराणा, प्रमोद सामर, राजेन्द्र तरावट आदि ने महिलाआं द्वारा वर्षीतप करने वाली तपस्वी चन्दा बाबेल, बबिता श्रीश्रीमाल का सम्मान किया। संघ के सदस्यों द्वारा तपस्वियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ती पत्र प्रदान किया गया। अक्षय तृतीया पर दोनों तपस्वियों का पारणा कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ में होगा।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वामी चक्रपाणि महाराज चित्रगुप्त अक्कड़ से महामंडलेश्वरजी ने श्रीपुरम स्थित नारायणी पीठ में महालक्ष्मी के दर्शन किए तथा पीठाधीश शक्ति अम्मा का आशीर्वाद लिया तथा प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर ट्रस्टी एम. सुरेश बाबू व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

तेरापंथ भवन में टी दासरह्ली में आयोजित हुआ संस्कार निर्माण शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ साध्वीश्री सोमयशाज़ी के सान्निध्य में सोमवार को तेरापंथ भवन टी दासरहल्ली में संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन हुआ। साध्वीश्री सोमयशाजी ने प्रसंगों, कहानियों एवं प्रश्नोत्तर के माध्यम से बच्चों को समझाया कि संस्कार जीवन के लिए बहुत जरूरी है।

साध्वीश्री ने उपस्थित बच्चों को अच्छे संस्कारों को ग्रहण करने की प्रेरणा प्रदान की। साध्वीश्री ऋषिप्रभाजी ने बच्चों को योगासन का प्रशिक्षण देते हुए उनके लाभ बताए तथा प्रतिदिन योग करने की प्रेरणा प्रदान की। साध्वीश्री सरलयशाजी की संसार पक्षीय भतीजी व योग प्रशिक्षिका सारिका खेतान ने बच्चों को योग का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में ज्ञानशाला प्रशिक्षिका गीता बाबेल, दीपिका गाँधी, सुनीता भटेवरा, डिम्पल चावत की उपस्थिति रही। तेरापंथ सभा के मंत्री प्रवीण बोहरा ने सभी का स्वागत किया एवं साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। महिला मण्डल अध्यक्षा नेहा चावत ने साध्वीश्री का स्वागत किया। डिम्पल चावत ने धन्यवाद दिया।

शहर के 35 सार्वजनिक स्थलों पर 'मायुम बेंगलूरु' लगाएगा वॉटर डिस्पेंसर

लोगों को निशुल्क उपलब्ध होगा ठंडा व गर्म पानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच(मायुम) ने भीषण गर्मी के मद्देनजर जरूरतमंद लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के लिए एक अनूठी पहल की है जिसके तहत संस्था शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर 35 वॉटर डिस्पेंसर लगाएगी। समाज के दानदाताओं के सहयोग से ये वाटर डिस्पेंसर शहर के आवाजाही वाले इलाकों, अनाथ आश्रमों, वृद्धाश्रमों, सरकारी दफ्तरों, मंदिरों के आसपास लगाए जा रहे हैं ताकि ज़रूरतमंदों को आवश्यकतानुसार ठंडा और गर्म पानी आसानी से मिल सके। इस अभियान के शुभारंभ के मौके पर रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में मायुम बेंगलूरु के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल ने सभी दानदाताओं को धन्यवाद दिया। प्रोजेक्ट संयोजक अशोक अग्रवाल और अंकित मोदी ने सभी उपस्थित अतिथियों को प्रोजेक्ट की विस्तार से जानकारी दी। समाजसेवी प्रमोद मुरारका ने युवाओं को संकल्प दिलाया कि इस साल कम से कम 51 प्याऊ लगानी हैं। मंच के पूर्व अध्यक्ष शिवकुमार, सुनील शाह व आनंद अग्रवाल ने भी अपना योगदान दिया। प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने सभी को धन्यवाद दिया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कनकपुरा रोड स्थित केएस शिक्षण संस्थान में आरोहण-2025 का आयोजन किया जिसमें विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने शिक्षण संस्थान के मेधावी बच्चों का सम्मान किया। संस्थान प्रबंधन ने मुणोत का सम्मान किया।

हीराबाग में 'गुरु पदम पुण्य स्मृति दिवस' 1 मई को

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग में विराजित डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि राष्ट्रसंत, उत्तर भारतीय प्रवर्तक, दादा गुरुदेव भण्डारी श्री पदमचन्द्रजी मानवता के मसीहा व एक सच्चे संत महापुरुष थे। उनका जीवन जनकल्याण के लिए सदैव समर्पित रहा। उनकी स्मृति में उपप्रवर्तकश्री पंकजमुनिजी के सान्निध्य में 1 मई को हीराबाग में 'गुरु पदम पुण्य स्मृति दिवस' का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सुबह नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष डॉ. भीकमचंद सकलेचा ने बताया कि जाप के पश्चात गुरु गुणगान दिवस मनाया जाएगा। महामंत्री अशोक बांठिया ने बताया कि गुरु पुण्य स्मृति के अवसर पर गुरु प्रसादी का आयोजन किया गया है। इसी दिन वर्षीतप के तपस्वियों का सम्मान भी किया जाएगा।

जीतो साउथ लेडीज विंग ने 65 बच्चों में विकसित की प्रभावी संवाद की चमक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज विंग द्वारा 6 दिवसीय सार्वजनिक भाषण कार्यशाला चमकते सितारे' का समापन समारोह शनिवार को हुआ।इस शिविर में 65 प्रतिभागियों ने दो बैचों में भाग लिया, जिसमें कुल 60 घंटे का गहन प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सार्वजनिक भाषण की कला में प्रशिक्षित करना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना था। अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। बच्चों को जैन मूल्यों और भगवान महावीर के सिद्धांतों, सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र का भी प्रशिक्षण दिया गया तथा साधु जीवनचर्या का भी ज्ञान दिया गया। बच्चों के लिए क्लासरूम सत्र के अलावा आउटडोर लर्निंग सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें 6 टीमों ने ट्रेजर हंट खेला और रेड टीम विजेता रही। जीतो साउथ उपाध्यक्ष महेंद्र जियानी व उप चेयरमैन महेंद्र रांका ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। जीतो लेडीज विंग की संयोजक प्रवीण सोफाड़िया ने लेडीज विंग के कार्यों की सराहना की।

जीतो जॉब्स की एपेक्स संयोजिका अनिता पिरगल, श्रमण आरोग्यम की एपेक्स संयोजिका सुनीता गांधी, सीएफई की वाइस चेयरपर्सन मोनिका पिरगल आदि ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभावी संवाद किसी भी व्यक्ति के जीवन का दर्पण होता है। कार्यशाला की संयोजिका संगीता सियाल, अस्मिता चौहान, पुष्पा श्रीश्रीमाल और चेतना खांटेड़ आदि का सहयोग रहा। मुख्य सचिव निधि पालरेचा और सह सचिव चंद्रा जैन ने धन्यवाद दिया। सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.